संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 301
पृष्ठ 8
बुधवार
23 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कहीं आप भी तो नहीं कर रहे नकली...

विचार- विपक्ष की सरकार को घेरने की तैयारी

खेल- रवि शास्त्री को भरोसा, सुंदर के पास...

दुनिया का पेट भर सकते हैं उत्तर प्रदेश के किसान : योगी

जलवायु-मिट्टी के अनुरूप शोध की जरूरत, सरकार काम कर रही है

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (यूपीसीएआर) के 36वें स्थापना दिवस के मौके पर मंगलवार को आलमबाग के यूपी कृषि अनुसंधान केंद्र में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर 'कृषि वैज्ञानिक सम्मान समारोह' के साथ विकसित कृषि–विकसित उत्तर प्रदेश /2047 विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। प्रदेश की कृषि व्यवस्था के भविष्य, नवाचार और स्थायित्व पर मंथन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। प्रदेश के वरिष्ठ वैज्ञानिक, शिक्षक, शोधार्थी, नीति विशेषज्ञ और छात्र शामिल हुए। संगोष्ठी का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की कृषि को वर्ष 2047 तक वैज्ञानिक, टिकाऊ और समृद्ध बनाने की दिशा में ठोस सुझावों को सामने लाना रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि और कृषि अनुसंधान की दृष्टि से प्रकृति और परमात्मा का कृपा का प्रदेश है। हमारे पास विस्तृत कृषि भूमि है। पर्याप्त जल संसाधन हैं। कृषि भूमि अत्यंत उर्वर है। दुनिया में उत्तर प्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य होगा, जिसकी 86 फीसदी से अधिक भूभाग संरक्षित है। एक तरफ प्रकृति और परमात्मा की कृपा है। दूसरी तरफ यहां पर काम करने वाले केंद्र और राज्य सरकार के अंतर्गत काम करने वाले कृषि विश्वविद्यालय का एक विस्तृत संचार है। उत्तर प्रदेश सरकार चार कृषि विश्वविद्यालय संचालित कर रही है। पांचवां कृषि विश्वविद्यालय भी स्थापित हो रहा है। केंद्र सरकार द्वारा भी प्रदेश के अंदर पहले से ही कृषि विश्वविद्यालय संचालित हो रहे हैं। 15 से ज्यादा कृषि अनुसंधान संस्थान काम रहे हैं। 89 कृषि विज्ञान केंद्र भी अपने–अपने क्षेत्र में अपनी अपनी विशेषज्ञ का लाभ प्रदेश के किसानों को प्रदान करते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन सबके बावजूद भी हमारे प्रदेश में अन्नदाताओं की स्थिति बहुत ज्यादा चौंकाने वाली है। प्रदेश के 25 से 30 फीसदी किसान ही वैज्ञानिक शोध और अनुसंधान को प्रभावी ढंग से अपने कृषि में लागू कर पा रहे हैं। यह सच है कि देश के कृषि योग्य कुल भूमि का केवल 11 फीसदी ही उत्तर प्रदेश के अंदर है। यह भी सच है कि देश के खाद्यान्न उत्पादन का हम लोग 20 फीसदी से ज्यादा खाद्यान्न उत्पादन कर रहे हैं। मेरा यह मानना है कि उत्तर प्रदेश की भूमि की समतलीकरण, उर्वरता और जल संसाधन को देखते हुए अभी इसमें तीन गुना अधिक उत्पादन लिया जा सकता है। इसके लिए हमें कृषि शोध और विकास को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे होना होगा। योगी ने कहा कि दुनिया में वही देश विकसित हुए हैं, जिन्होंने अधिक से अधिक शोध और विकास पर ध्यान दिया है। वह अलग–अलग क्षेत्र में हो सकते हैं। किसी ने स्पेस साइंस में किया होगा, तो किसी ने इलेक्ट्रॉनिक फील्ड में। किसी ने एटॉमिक साइंस में। जिसने जहां पर काम किया। वह उस क्षेत्र में आगे बढ़ा। हमारा यह माना है कि उत्तर प्रदेश के अंदर कृषि क्षेत्र में केवल देश का ही नहीं दुनिया का पेट भरने का समर्थ है। कृषि हॉर्टिकल्चर और वेजिटेबल क्रीम बहुत कुछ कर सकते हैं। यहां की जो क्लाइमेटिक जोन है, उस प्रकार के अनुसंधान को आगे बढ़ाने की जरूरत है। प्रकृति के और पर्यावरण के अनुरूप उसी प्रकार के शोध को आगे बढ़ाने के लिए हमारे स्तर पर जो प्रयास होने चाहिए। उसमें और गति देने की आवश्यकता है। ये शोध प्रदेश और देश की प्रगति में निर्णायक भूमिका में सहयोग कर सकते हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह आवश्यक नहीं है कि यूरोप के लिए जो उपयुक्त है वह भारत के लिए भी उपयुक्त हो। हमें भारत के जलवायु और मिट्टी के अनुरूप शोध और विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास करना होगा। उसर प्रकार के कार्यक्रम में लगातार प्रयास करने होंगे। मैं मानता हूं कि यह सभी संभावना उत्तर प्रदेश के अंदर छिपी हुई है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य दिया है। स्वाभाविक रूप से विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में राज्यों को भी अपनीदृअपनी भूमिका का निर्माण करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्य ने कहा कि 2047 में जब भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी होगा, तब उत्तर प्रदेश कहां होगा? तब उत्तर प्रदेश के प्रति व्यक्ति आय क्या होगी? कृषि के क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में उद्योग के क्षेत्र में जीवन के अलग–अलग क्षेत्र में हमारी क्या स्थिति होनी है? विजन 2047 को लेकर के वर्तमान में एक वृहद कार्य योजना के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं।

मुंबई के इस्कॉन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा अलर्ट जारी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के गिरगांव चौपाटी इलाके में मंगलवार को इस्कॉन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मंदिर की सुरक्षा को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया। मंदिर प्रबंधन को भेजे ईमेल में धमकी दी गई है कि अगर उनकी माँगें पूरी नहीं की गईं, तो 16 घंटे के अंदर मंदिर को उड़ा दिया जाएगा। मंदिर के सहायक सुरक्षा प्रबंधक की ओर से दी गयी शिकायत के मुताबिक यह धमकी आउटलुक ईमेल आईडी से आई है और इसे इमैनुएल शेखरन नाम आदमी ने भेजा है। इस मेल में कहा गया है कि तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) सरकार तमिलनाडु पुलिस संगठन के संबंध में दिवंगत नयनार दास की सिफारिशों को तुरंत लागू करे। ईमेल में चेतावनी दी गई है कि माँगें पूरी न होने पर गिरगांव स्थित इस्कॉन मंदिर में बम विस्फोट किया जाएगा। शिकायत के बाद, ग्घालिया टैंक पुलिस (गामदेवी पुलिस) ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 351(1) के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल जांच चल रही है।

पीएम मोदी बुधवार से ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार से ब्रिटेन की अपनी दो दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। वह प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के निमंत्रण पर ब्रिटेन जा रहे हैं। वह विभिन्न हितधारकों के साथ कई बैठकें करेंगे और व्यापार समझौते, द्विपक्षीय संबंधों जैसे मुद्दों पर प्रमुखता से चर्चा करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि प्रधानमंत्री कल, 23 जुलाई को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ चर्चा के लिए ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर जाएँगे। वह राजा चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे। भारत और ब्रिटेन, दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत की भी योजना है। पदभार ग्रहण करने के बाद से यह प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की चौथी यात्रा होगी। 2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद से यह उनकी ब्रिटेन की चौथी यात्रा होगी। मीडिया को संबोधित करते हुए, मिसरी ने कहा कि भारत और यूके मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के बाद से एक–दूसरे के निकट संपर्क में हैं। छह मई को प्रधानमंत्री मोदी और यूके के प्रधानमंत्री के बीच बातचीत हुई थी, जिसमें घोषणा की गई थी कि दोनों पक्षों ने मुक्त व्यापार समझौते और अन्य मुद्दों पर बातचीत पूरी कर ली है। तब से, दोनों पक्ष एक–दूसरे के बहुत निकट संपर्क में हैं... हम आपको उचित समय पर इससे संबंधित अंतिम विवरण से अवगत कराएँगे। अपनी दो देशों की यात्रा के ब्रिटेन चरण के समापन के बाद, प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के लिए रवाना होंगे। वह 26 जुलाई को मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में 'मुख्य अतिथि' होंगे। मिसरी ने कहा कि प्रधानमंत्री की मालदीव यात्रा 25 और 26 जुलाई को होगी। वह मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज़्ज़ू के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा पर जा रहे हैं।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन बोले, अस्पताल में रहते हुए भी ड्यूटी जारी रख रहा हूँ

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को घोषणा की कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद वह अपने सरकारी कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। स्टालिन ने र पर पोस्ट किया कि मैं अस्पताल में रहते हुए भी सरकारी कर्तव्यों का पालन कर रहा हूँ। उन्होंने बताया कि श्स्टालिन विद यूश परियोजना के तहत शिविरों की स्थापना, जिसका

उद्देश्य जन शिकायतों का समाधान करना और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाना है, योजना के अनुसार चल रही है। स्टालिन ने कहा कि स्टालिन विद यू शिविर योजना के अनुसार चल रहे हैं, कल तक कितनी याचिकाएँ प्राप्त हुईं, कितनों का समाधान किया गया – मैंने मुख्य सचिव को ये विवरण एकत्र करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों की याचिकाओं के समाधान में कोई देरी न हो। इससे पहले, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के स्वास्थ्य पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बताया कि मुख्यमंत्री ठीक हैं और डॉक्टर जल्द ही चिकित्सा संबंधी जानकारी देंगे। उप–मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, मुख्यमंत्री की हालत में सुधार हो रहा है। आज सुबह कुछ जाँचें की गई हैं। डॉक्टर इस बारे में मेडिकल अपडेट देंगे। कल अस्पताल ने एक बयान जारी कर मुख्यमंत्री को तीन दिन आराम करने को कहा है। बहुत जल्द, वह ठीक हो जाएँगे और वापस आ जाएँगे। एमके स्टालिन को सोमवार को सुबह की सैर के दौरान चक्कर आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री स्टालिन को चेन्नई के ग्रीन रोड स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

धनखड़ के इस्तीफे के बाद सियासी हलचल तेज, राष्ट्रपति मुर्मू से उपसभापति हरिवंश ने की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐस समय हो रही है, जब सोमवार शाम को जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर बैठक की एक तस्वीर भी साझा

की। जिसमें लिखा गया है, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। बता दें कि सोमवार को जगदीप धनखड़ ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन अचानक इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद हरिवंश ने मंगलवार को राज्यसभा में सुबह के सत्र की कार्यवाही की अध्यक्षता की। हालांकि की राज्यसभा की कार्यवाही को कुछ समय बाद कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। उपराष्ट्रपति के पद छोड़ने के साथ ही राज्यसभा के सभापति पद भी स्वतरू रिक्त हो गया। उपराष्ट्रपति उच्च सदन के पदेन सभापति होते हैं। ऐसे में अब जब इस्तीफा मंजूर हो गया है तो मानसून सत्र में राज्यसभा की पूरी कार्यवाही उपसभापति हरिवंश चलाएंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति की ओर से अधिकृत सदस्य को भी यह जिम्मेदारी दी सकती है। इससे पहले सोमवार को धनखड़ पूरे दिन राज्यसभा में सक्रिय थे।

या तो सरकार जानती है या वह... धनखड़ के इस्तीफे पर बोले खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर टिप्पणी करने से परहेज करते हुए कहा कि या तो सरकार या फिर वह खुद इसका कारण जानते हैं। मीडिया से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि केवल वही कारण जानते हैं। हमें इस पर कुछ नहीं कहना है। या तो सरकार जानती है या वह जानते हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार करना या न करना सरकार पर निर्भर है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि उपराष्ट्रपति की तबीयत इतनी खराब नहीं हुई है कि उन्हें इस्तीफा देना पड़े। किसी ने उनकी तबीयत खराब कर दी है... सत्ताधारी पार्टी चुप है। इसका मतलब है कि कुछ गड़बड़ है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि यह अचानक नहीं हो सकता।

आगामी 25 जुलाई को दिया जाएगा 'महिला श्री साहित्य साधना सम्मान'

प्रयागराज।'महिला श्री साहित्य साधना सम्मान' का पाँचवा साहित्यिक अलंकरण समारोह दिनांक 25 जुलाई 2025, दिन शुक्रवार, समय अपराह्न 04 बजे सारस्वत सभागार, लूकरगंज में संपन्न होगा। इस वर्ष यह सम्मान प्रयागराज की वरिष्ठ कवियत्री विजय लक्ष्मी 'विभा' को संस्था के द्वारा प्रदान किया जाएगा।

इस सम्मान की नींव संस्था के द्वारा सन् 2021 में रखी गई थी। सन् 2021 में अहिन्दी क्षेत्रवासी शिलांग की हिन्दी भाषा के प्रति विशेष लगाव रखने वाली वरिष्ठ कवियत्री डॉ० अनीता पाण्डा को प्रदान किया गया था। इसके बाद सन् 2022 में कानपुर की वरिष्ठ कवियत्री सीमा वर्णिका को उनके विस्तृत साहित्यिक फलक को देखते हुए दिया गया था तथा सन् 2023 में प्रयागराज की कवियत्री रचना सक्सेना एवं सन् 2024 में सुमन ढ़ीगरा दुग्गल को उनके साहित्यिक योगदान के लिए दिया गया था।

महिला श्री साहित्य साधना सम्मान में साधना मात्र एक शब्द नहीं है बल्कि यह साहित्य साधक उमेश जी की जीवनसाथी रही हैं। वह साहित्यकार नहीं थीं लेकिन पुस्तकों से उन्हें बेहद स्नेह था। गद्य एवं पद्य दोनों विधाओं की पारखी थीं। आपकी साहित्यिक चर्चा में कलापक्ष एवं भाव पक्ष में प्रौढ़ता झलकती थी तथा भारतीयता से परिपूर्ण साहित्य की प्रबल समर्थक थीं। वह अपनी सकरात्मक साहित्यिक चर्चाओं के लिए सदैव स्मरणीय रहें, इसी पक्ष को ध्यान में रखते हुए 'महिला श्री साहित्य साधना सम्मान ' की शुरुआत की गई।

इस वर्ष यह सम्मान 'शहर समता विचार मंच' की ओर से प्रयागराज की वरिष्ठ कवियत्री विजय लक्ष्मी'विभा' को उनके संवेदनशील सहज काव्य–सृजन एवं कथा–कहानी तथा एकांकी नाटक आदिक के लेखन पर गहनता से अध्ययन के पश्चात उन्हें संस्था की ओर से 'महिला श्री साहित्य साधना सम्मान –2025' दिया जाएगा।

चकिया में 20 मीटर धंसी सड़क की मरम्मत शुरू

प्रयागराज। चकिया में सड़क की ड्रिलिंग कर भूमिगत केबिल बिछाने के दौरान आरसीसी सड़क धंस गई। इस घटना के बाद मार्ग पर वाहनों का आवागमन ठप हो गया है। दर्जनों घरों की जलापूर्ति बाधित हो गई है। जल निगम और नगर निगम ने सीवर लाइन और सड़क की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। रविवा को पूरी रात सड़क मरम्मत का काम होता रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार बिजली विभाग का ठेकेदार तीन दिन पहले

भूमिगत केबल बिछाने के लिए अतीक अहमद के टूटे घर के सामने की सड़क पर कुछ–कुछ दूरी पर मशीन से खोदाई करा रहा था। इस दौरान मशीन से सड़क के नीचे सीवर लाइन में लीकेज हो गया। सीवर लाइन के पानी के रिसाव से सड़क के नीचे की मिट्टी धीर–धीरे धंसने लगी। शनिवार से ही सड़क धंसने का सिलसिला शुरू हुआ। देखते–देखते 20 मीटर दायरे में सड़क सात फीट तक धंस गई। सड़क धंसने लगी तो ठेकेदार ने भूमिगत केबल बिछाने का काम रोक दिया। इसकी जानकारी होने पर जलकल, जल निगम और नगर निगम के इंजीनियर मौके पर पहुंचे। क्षेत्र के पार्षद मिथिलेश सिंह ने बताया कि पहले चरण में सीवर लाइन की मरम्मत की जा रही है। इसके बाद धंसी सड़क में मिट्टी भराई होगी। पार्षद के मुताबिक मार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद है। आसपास के दो दर्जन घरों की जलापूर्ति भी बाधित हुई है।

घरों का नंबर प्लेट लगाने को लिखा पत्र

प्रयागराज। शहर के घरों में नंबर प्लेट लगाने का काम फिर से शुरू करने के लिए कार्यदायी एजेंसी को पत्र भेजा गया है। शहर के घरों के सामने नंबर प्लेट लगाने का काम लगभग डेढ़ साल से बंद है। शासन से भुगतान को लेकर हुए विवाद के बाद एजेंसी ने प्रयागराज समेत प्रदेश के सभी बड़े शहरों में नंबर प्लेट लगाने का काम रोक दिया। एजेंसी ने शहर में 10 हजार घरों में नंबर प्लेट लगाया है। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके मिश्रा ने बताया कि शहर के सभी घरों में नंबर प्लेट लगने के बाद मोहल्लों को ब्लॉकों में बांटा जाएगा। इसके अलावा रेलवे की तर्ज पर गलियों का नंबर निर्धारित करने की योजना है।

हर्षोल्लास से मनाया तीजोत्सव

प्रयागराज। अखिल भारतीय जायसवाल महासभा की ओर से सोमवार को मुठ्ठीगंज स्थित जायसवाल धर्मशाला में तीजोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंजू जायसवाल ने किया। इम मौके पर तीज क्वीन प्रतियोगिता

में निधि जायसवाल को तीन क्वीन चुना गया। महिलाओं ने संगीतमय गणेश वंदना, लोकगीत, नृत्य की मोहक प्रस्तुति की। निर्णायक मंडल में आभा जायसवाल और अर्चना जायसवाल रहीं। निधि ने कहा जायसवाल महासभा का महिला संगठन जरूरतमंद महिलाओं की मदद के लिए हमेशा आगे रहता है।

नवजागरण में हिंदी प्रदीप का विशिष्ट योगदान: प्रो. राम किशोर

प्रयागराज। हिंदी साहित्य सम्मेलन में सोमवार को साहित्यकार पं. बालकृष्ण भट्ट को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया गया। मुख्य अतिथि ओडिसा केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. चक्रधर रहे। प्रो. राम किशोर शर्मा ने कहा कि भट्ट स्वाभिमानी व्यक्तित्व के धनी थे। नवजागरण को विकसित करने में उनके संपादन में प्रकाशित पत्रिका हिंदी प्रदीप का विशेष योगदान रहा। प्रो. अरुण कुमार मिश्र, साहित्य सम्मेलन के प्रधानमंत्री कुंतक मिश्र ने विचार व्यक्त किए। संचालन शेषमणि ने किया। इस मौके पर किण्ठमणि प्रसाद मिश्र, पवित्र तिवारी, अंजनी कुमार शुक्ल, अवधनारायण शुक्ल मौजूद रहे।

अन्नदाता महापंचायत के लिए तय की रणनीति

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन की ओर से सोमवार को पत्थर गिरजाघर के पास धरना स्थल पर बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर 30 जुलाई को होने वाली अन्नदाता हुंकार महापंचायत पर चर्चा की गई। यूनियन के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह ने कहा कि धूमनगंज में किसानों का पुलिस उत्पीड़न कर रही है। खाद की किल्लत से किसान परेशान हैं। सोरांव में बिना मुआवजा के जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। झलवा में सरकारी जमीनें भी भूमाफियाओं के निशाने पर हैं। शासन–प्रशासन की ओर से यदि किसानों की समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

बारिश होते ही कच्चे मार्ग पर भर जाता है पानी, लोगों को होती है दिक्कत

प्रयागराज। नीमसराय की हनुमंतपुरी कॉलोनी के लोग बरसों से सड़क के लिए परेशान हैं। कच्चे और ऊबड़–खाबड़ मार्ग से आवागमन जोखिम भरा है। बारिश होते ही लोग घरों में कैद होने को मजबूर हो जाते हैं। मार्ग पर जलभराव हो जाता है। कई दिनों तक आवागमन मुश्किल हो जाता है। कीचड़ के कारण लोग फिसल कर चोटिल हो जाते हैं। टेढ़ी नीम ढाल से एसटीपी को जाने वाला मुख्य मार्ग सबसे ज्यादा बदहाल है। सड़क निर्माण के लिए लोग नगर आयुक्त के पास गए, सांसद, विधायक, पार्षद और महापौर से गुहार लगाई, लेकिन कोई राहत नहीं मिली। अखबार ने हालात का जायजा लिया। लोगों से बात की तो वे नगर निगम को कोसने लगे। कहा, टैक्स देने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कहने को स्मार्ट सिटी में रह रहे हैं, लेकिन समस्याओं से घिरे हुए हैं।

हनुमंतपुरी कॉलोनी के करीब सात सौ परिवार मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। सड़क और पेयजल की समस्या से जूझते हुए कई वर्ष बीत गए, लेकिन नगर निगम के जिम्मेदारों ने सुध नहीं ली। अब बारिश का मौसम आते ही फिर लोगों की दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो चली है। कच्चे मार्ग पर कई दिनों से पानी भरा हुआ है। गंदे पानी और कीचड़ से होकर लोगों को आना–जाना पड़ रहा है। फिसलन के कारण लोग गिरकर चोटिल भी हो रहे हैं। टेढ़ी नीम ढाल से एसटीपी वाला मुख्य मार्ग कभी बना ही नहीं। कच्चे मार्ग पर जगह–जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। दोपहिया वाहन सवार इन गड्ढों में फंस कर गिर जा रहे हैं। पैदल राहगीरों को भी रास्ता पार करने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। कोई दीवार का सहारा लेकर मार्ग पार करता है तो कोई छड़ी व लाठी लेकर निकलता है। कुछ घंटों की बारिश में यहां घुटने तक जलभराव हो जाता है। राहगीरों को गड्ढों का अंदाजा नहीं लगा पाता और गिरकर घायल हो जाते हैं। कुछ स्थानों पर इतना कीचड़ है कि पैदल भी निकलना मुश्किल है। करीब एक दर्जन संपर्क मार्गों पर भी पानी भरा हुआ है। लोगों ने बताया कि नगर निगम में कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या दूर नहीं हुई। स्थानीय पार्षद से भी कई बार गुहार लगा चुके हैं। अब न जाने कब पक्की सड़क नसीब होगी। जलनिकासी की व्यवस्था नहीं हनुमंतपुरी कॉलोनी में जलनिकासी के लिए मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियां नहीं बनाई गई हैं। इससे बारिश होते ही पानी मार्ग पर भर जाता है। ज्यादा देर तक बारिश होती है तो मार्ग से पानी ओवरफ्लो होकर घरों में घुसने लगता है। लोगों का कहना है कि अगर जलनिकासी के लिए पक्की नालियां ही बना दी जाएं तो जलभराव की समस्या दूर हो जाए। लोगों का आवागमन आसान हो जाए। पेयजल आपूर्ति के लिए नहीं बिछी पाइप लाइन, फिर भी वसूला जा रहा टैक्स कॉलोनी के अधिकांश भाग में पेयजल आपूर्ति के लिए पाइप लाइन नहीं बिछ पाई है। जिन घरों में सबमर्सिबल पंप लगे हैं, उनका तो काम चल जाता है। बाकी लोगों को पानी के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। कॉलोनी के लोग पीने के लिए आरओ का पानी खरीदते हैं। लोगों ने बताया कि कॉलोनी के कुछ हिस्सों में पाइप लाइन डाली गई, लेकिन काम रोक दिया गया। जिन स्थानों पर पाइप लाइन पड़ी है वहां पाइप को मुख्य लाइन से नहीं जोड़ा गया है, जिससे जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। लोगों ने बताया कि जलापूर्ति न होने के बावजूद वाटर टैक्स वसूला जा रहा है। शिकायतें और सुझाव – टेढ़ी नीम ढाल से एसटीपी का मार्ग बदहाल है, जगह–जगह गड्ढे हो गए हैं। – जलनिकासी की व्यवस्था न होने से बारिश होते ही जलभराव हो जाता है। – पेयजल पाइप लाइन कुछ जगह बिछाई गई, लेकिन जलापूर्ति नहीं होती। – सफाई व्यवस्था भी ठीक नहीं है, जगह–जगह गंदगी पसरी हुई है। सुझाव – मुख्य मार्ग का डामरीकरण करा कराने के साथ संपर्क मार्गों पर इंटरलॉकिंग की जाए। – मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियां बनाई जाएं और इन्हें नालों से कनेक्ट किया जाए। – फौरी तौर पर मार्गों से जलभराव की समस्या दूर करने के लिए पंप लगाए जाएं। – सफाई कराकर दवा का छिड़काव कराया जाए, जिससे बीमारियों का खतरा न रहे। हमारी भी सुनें पूरे साल आवागमन की समस्या से जूझना पड़ता है। बारिश में कच्चे मार्ग पर पानी भर जाता है और कई दिनों तक गंदे पानी और कीचड़ के बीच से गुजरना पड़ता है। – पुष्पेन्द्र सिंह पांच–छह वर्ष से हम लोग यहां रह रहे हैं। कई बार उच्चाधिकारियों से पक्के मार्ग के लिए कहा गया, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया। बारिश में हालत ऐसी हो गई है कि घर से नहीं निकल पा रहे हैं। – सुभाष कुमार जलनिकासी की व्यवस्था न होने से थोड़ी देर की बारिश में ही मार्ग पर पानी भर जाता है। कई दिन से हम लोग कीचड़ और गंदे पानी से होकर आ–जा रहे हैं। शिकायत करते हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। – अश्वनी शुक्ल नगर निगम की सीमा में रह रहे हैं, लेकिन लगता ही नहीं है कि हम भी स्मार्ट सिटी का हिस्सा हैं। यहां से बेहतर तो गांव की गलियां हैं जहां इंटरलॉकिंग की व्यवस्था है। – सत्येन्द्र सिंह हम लोग यहां पांच साल से मकान बनवा कर रह रहे हैं और लगातार सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। अगर डामर रोड और इंटरलॉकिंग का काम हो जाए तो राहत मिले। – सात्विक सिंह कई वर्षों से मकान बनवा कर रह रहे हैं। पक्की नालियां तक नहीं बनाई गई हैं। जिससे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। बारिश होते ही घरों में कैद होने को मजबूर हो जाते हैं। – सूर्यमणि पेयजल भी यहां की प्रमुख समस्या है। पाइप लाइन तो बिछ गई, लेकिन मुख्य लाइन से नहीं जोड़ा गया है, जिससे जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। पानी की समस्या का निदान जरूरी है। – योगराज पानी के लिए हमेशा परेशानी बनी रहती है। सबमर्सिबल पंप पर निर्भर हैं। पीने के लिए आरओ का पानी खरीदना पड़ रहा है। विकास के दावे किए जाते हैं, लेकिन यहां मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं। – कमलेश दिवाकर गंदे पानी से होकर आना जाना सजा जैसे है। कीचड़ से कपड़े गंदे हो जाते हैं। नगर निगम के जिम्मेदारों को जनता की समस्या से कोई सरोकार ही नहीं है। – सोनू यादव पानी की निकासी की यहां कोई व्यवस्था नहीं है। कुछ देर बारिश हो जाए तो पानी घर में घुस आता है। सड़क पर पानी भर जाता है। हमें कीचड़ और गंदे पानी से होकर आना–जाना पड़ रहा है। – निखिल पाल सड़क पर पानी भरा होने से आवागमन मुश्किल हो जाता है। बच्चों को किसी तरह गोद में उठा कर रास्ता पार कराकर स्कूल पहुंचाते हैं। यह रोज की समस्या है, जिसके निदान के लिए हम अरसे से परेशान हैं। – राज सिंह कुछ देर लगातार बारिश हो जाए तो हम लोग घर से नहीं निकल पाते। मार्ग तालाब बन जाता है। न बाइक निकल पाती है न पैदल निकल पाते हैं। इस समस्या का समाधान बेहद जरूरी है। – सतीश कुमार राय घर के सामने गंदा पानी भरा रहता है, जिससे आने–जाने में काफी परेशानी होती है। कई दिनों तक जलभराव रहने से संक्रामक बीमारियां फैलने का भी खतरा रहता है। – सुरेश कुमार सड़क पर इतना कीचड़ है कि लोग फिसल कर गिर रहे हैं। कई बार हम भी बाइक से गिरते गिरते बचे हैं। पक्की सड़क बन जाए और नालियां बना दी जाएं तो परेशानी खत्म हो जाए। – अमनप्रीत सिंह पांच साल से इस परेशानी का सामना कर रहे हैं। हर साल बारिश में जनजीवन थम जाता है। नगर निगम से लेकर जनप्रतिनिधि तक से गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन समस्या का निदान नहीं हो रहा है। प्रदीप कुमार बोले जिम्मेदार नीमसराय इलाका निगम का विस्तारित क्षेत्र है। यहां मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के तहत कुछ सड़कें स्वीकृत हुई हैं, लेकिन क्षेत्र काफी बड़ा है। इसके कारण और सड़कों का प्रस्ताव भेजा गया है। शासन से प्रस्ताव पास होते ही कार्य करा कर समस्या का समाधान करा दिया जाएगा। – दिनेश चंद्र सचान, मुख्य अभियंता, नगर निगम

हेट स्पीच केस: सजा को लेकर अब्बास की याचिका पर 30 जुलाई को सुनवाई करेगा हाई कोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हेट स्पीच के मामले में हुई सजा स्थगित करने की मांग को लेकर दाखिल अब्बास अंसारी की पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई के लिए 30 जुलाई की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने दिया है।

गौरतलब है कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से मऊ सदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से एमएलए रहे अंसारी ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य सरकार के अधिकारियों को परिणामों की धमकी दी थी। इस मामले में ट्रायल के बाद मऊ की स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए कोर्ट ने अब्बास अंसारी को आईपीसी की धारा 153–ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 189 (सार्वजनिक सेवक को चोट पहुंचाने की धमकी) के तहत अपराध के लिए दो–दो साल कैद की सजा सुनाई थी। इसके अलावा धारा 506 में एक वर्ष और धारा 171–एफ (चुनाव में अनुचित प्रभाव या व्यक्तिगत पहचान) के तहत अपराध के लिए छह महीने कैद की सजा सुनाई थी।

स्पेशल कोर्ट ने सभी सजाएं एकसाथ चलाए जाने को कहा था। इसके अलावा दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

भाषण के दौरान मंच पर मौजूद अब्बास अंसारी के चुनाव एजेंट मंसूर अंसारी जो को भी मामले में दोषी ठहराया गया और छह महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी।

इस फैसले के खिलाफ अब्बास अंसारी की अपील मऊ की स्पेशल अपर सत्र न्यायाधीश के समक्ष लंबित है। इसके साथ अंसारी ने सजा को स्थगित करने के लिए प्रार्थना पत्र भी दिया था जिसे पिछली पांच जुलाई को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के खिलाफ उन्होंने यह पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है।

बाढ़ प्रभावित छात्रों को नहीं मिली कहीं ठौर, चले अपने गांव

प्रयागराज। केस–एक शीनगर के प्रतियोगी छात्र सौरभ कुमार छोटा बघाड़ा के एक लॉज में किराये का कमरा लेकर रहते हैं। तीन दिन पहले लॉज के आसपास गंगा में बाढ़ का पानी पहुंचा तो सौरभ कुमार अन्य जगह कमरे की तलाश में दो दिन भटके। कुछ दिन के लिए किराये पर कमरा नहीं मिला तो सौरभ गांव चले गए। केस–दो महाराजगंज के आदर्श सिंह भी छोटा बघाड़ा में किराये का कमरा लेकर रहते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वले आदर्श के लॉज के आसपास पानी भरा तो राहत शिविर में रहने के लिए गए। राहत शिविर में रहने को जगह नहीं मिली तो आदर्श सामान समेटकर अपने परिवार के पास महाराजगंज चले गए।

केस–तीन कप्तानगंज के मोहम्मद आरिफ भी छोटा बघाड़ा के एक लॉज में किराये का कमरा लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। लॉज भी बाढ़ से घिरा और अंदर पानी घुसने लगा तो आरिफ जरूरी सामान लेकर निकले और कुछ दिनों के लिए कमरा खोजने लगे। कहीं कमरा नहीं मिला तो अपने गांव चले गए। सौरभ कुमार, आदर्श सिंह और मोहम्मद आरिफ की तरह गंगा किनारे रहने वाले सैकड़ों प्रतियोगी छात्र यहां से पलायन कर चुके है। गंगा–यमुना का जलस्तर घट रहा है, लेकिन छोटा बघाड़ा, सलोरी, शंकरघाट के लॉजों में रहने वाले प्रतियोगी छात्र यह मानकर चल रहे हैं कि इस साल बाढ़ आएगी। बाढ़ के समय यहां भटकने से अच्छा है कि अपने घर चले जाएं और वहीं कुछ दिन रहें। राहत शिविरों में छात्रों को रहने नहीं दिया जाता। लॉज छोड़कर अपने गांव बंधवा बाजार (जौनपुर) जाने वाले अनुज यादव ने बताया कि यहां हर प्रतियोगी छात्र छोटे कमरे में रहते हैं। कमरे में दूसरा नहीं रह सकता। फिलहाल 90 फीसदी छात्रों का लॉज बाढ़ की चपेट में है। छात्रों को राहत शिविरों में रहने की इजाजत नहीं है। कुछ दिन के लिए अस्थाई कमरा खोजने लगे तो मकान मालिक 10 हजार तक किराया मांग रहे हैं। इतना किराया नहीं दे सकते। इससे तो अच्छा है कि अपने गांव जाएं। सलोरी के पार्षद राजू शुक्ला ने बताया कि सलोरी से भी छात्रों का पलायन जारी है।

इविवि: स्नातक के लिए 44 हजार से ज्यादा पंजीकरण

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के शैक्षिक सत्र 2025–26 में स्नातक (यूजी) में दाखिले के लिए 16 जुलाई से पंजीकरण शुरू है। सातवें दिन मंगलवार की सुबह तक अलग–अलग पाठ्यक्रमों के लिए 44893 ने पंजीकरण किया है। इसमें से 25858 ने शुल्क जमा कर दिया है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 26 जुलाई है। वहीं, परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। सोमवार को एमएससी पदार्थ विज्ञान विभाग की ओर से पहला कटऑफ जारी किया गया। अनारक्षित वर्ग के 110 या इससे अधिक, वहीं ओबीसी 76 और ईडब्ल्यूएस का कटऑफ 93.6 अंक है। पंजीकरण और दस्तावेज अपलोड करने की प्रक्रिया 25 जुलाई दोपहर दो बजे तक होगी और इसके बाद पांच बजे तक सत्यापन और फीस जमा करने की प्रक्रिया पूरी होगी।

दो दिन होगा कारगिल विजय दिवस समारोह

प्रयागराज। प्रयागराज में वीर सेनानी पूर्व कल्याण समिति की ओर से कारगिल विजय दिवस समारोह 25 व 26 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जुलाई का आयोजन डीएसओआई परिसर में स्थित सैन्य युद्ध स्मारक स्मृतिका स्थल पर किया जाएगा। जबकि समापन कार्यक्रम तपोवन पार्क में सत्संग भवन में सुबह 11 बजे से कराया जाएगा। जिसमें दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर परिचर्चा व कारगिल वीर शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कार्यक्रम होगा। समिति के मीडिया प्रभारी श्याम सुंदर सिंह पटेल ने बताया कि समारोह में पूर्व सैनिकों व कारगिल युद्ध विजेताओं को आमंत्रित किया गया है।

सूरजकुंड शिवकुटी मेला एक अगस्त को

प्रयागराज। सूरजकुंड, बिजली पावर हाउस के पास स्थित बुद्धेश्वर महादेव मंदिर का प्राचीन शिवकुटी मेला एक अगस्त को आयोजित किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर समिति की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। अध्यक्ष दिलीप चौरसिया, उपाध्यक्ष सुब्रतो गुप्त व सुमित वैश्य, महामंत्री प्रत्यूष गुप्त, संयोजक पवन गौर व कोषाध्यक्ष प्रभाष को मनोनीत किया गया है। पीठ के अध्यक्ष राजकुमार ने बताया कि यह शहर का पहला परंपरागत मेला है। इस वर्ष और अधिक भव्यता के साथ मेले को आयोजित कराया जाएगा। बैठक में सत्य प्रकाश गुप्त, दिलीप केसरवानी, रजत सोनकर, अनुज, हिमांशु आदि मौजूद रहे।

भूमिहीनों को जमीन आवंटित करने के लिए दिया ज्ञापन

प्रयागराज। भूमि सुधार कानून के तहत भूमिहीनों में जमीन आवंटन की मांग को लेकर डॉ. अम्बेडकर वेलफेयर नेटवर्क (डान) के संस्थापक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ को ज्ञापन सौंपा। इसमें बताया कि यमुनापार स्थित तहसील बारा, करछना, मेजा और कोरांव के सैकड़ों गांवों में भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को आवासीय व कृषि कार्य का पट्टा देने का पिछले 10 सालों से धरना कर सीएम को पत्र भेजते रहे हैं। आयुक्त राजस्व परिषद ने विशेष सचिव मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बताया कि नियमों के तहत भूमिहीनों को जमीन देने का प्रावधान है।

बीसीए और एमसीए में दाखिला शुरू

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्याल के शैक्षिक सत्र 2025–26 में दाखिला सोमवार से शुरू है। मंगलवार को बीसीए और एमसीए में दाखिला शुरू हो गया है। बीसीए में दाखिले के लिए एक से 112 रैंक तथा एमसीए के सभी अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। 23 जुलाई को बीएएलएलबी में एक से 259 तक रैंक के अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग होगी। 24 जुलाई को बीएससी एजी के एक से 145 रैंक और एमएससी एजी के सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश के लिए बुलाया गया है। 25 जुलाई को इंटीग्रेटेड एमटेक के एक से 83 तक रैंक के और बीफार्मा के एक से 101 तक रैंक के अभ्यर्थी बुलाए गए हैं। 26 जुलाई को एलएलएम के एक से 245 रैंक तक के अभ्यर्थियों की प्रवेश के लिए बुलाया गया है।

पर्यावरण बचाओ अभियान के उपलक्ष्य में आज किया गया पौधारोपण कार्य

मुजफ्फरनगर। आज भारत विकास परिषद मेन शाखा द्वारा संस्कृति सप्ताह के अंतर्गत पी ०आर ०पब्लिक स्कूल में वृक्षारोपण का कार्य संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल के डायरेक्टर अनघ सिंघल , शिशु कांत गर्ग एडवोकेट ,विष्णु स्वरूप अग्रवाल ,लक्ष्मी कांत मित्तल ,अश्वनी वर्मा ने अपना कीमती समय शाखा को दिया । संजय मिश्रा व विष्णु

स्वरूप अग्रवाल जी ने अपनी ओर से सिंदूर के पौधे का वृक्षारोपण किया उन्होंने बताया की सिंदूर का पौधा हनुमान जी के बल और पराक्रम का प्रतीक है। कार्यक्रम में सभी पौधे शाखा सदस्य के०पी० राठी जी की ओर से प्रदान कराए गए। वृक्षारोपण के इस कार्यक्रम में शाखा संरक्षक हर्षवर्धन जैन ,अशोक सिंघल ,अध्यक्ष संजय मिश्रा ,सचिव नवनीत गुप्ता ,कोषाध्यक्ष नीरज सिंघल महिला संयोजिका डॉ अंजलि गर्ग ,आशु अग्रवाल ,नितिन गर्ग ,मनीष गर्ग ,डॉ दीपक कुमार गर्ग ,विनीत गुप्ता ,ओ डी शर्मा ,अनिल शर्मा ,राजकुमार गुप्ता ,केपी राठी ,प्रीत वर्धन शर्मा ,प्रियंका शर्मा ,नीरज गुप्ता ,बृजभूषण गुप्ता ,बृजेश कुमार गुप्ता ,मनोज शर्मा ,वीरेंद्र अग्रवाल ,सुखबीर सिंह ,विनय गर्ग ,पुरुषोत्तम सिंघल ,आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम में जहां एक और केपी राठी जी ने वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया वहीं दूसरी ओर ओडी शर्मा जी ने उनकी सही तरीके से देखभाल करने पर जोर दिया कार्यक्रम के अंत में संजय मिश्रा जी द्वारा सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया गया और स्कूल की तरफ से सभी को जलपान कराया गया।

वैश्य सभा जनपद मुजफ्फर नगर के तीन दिवसीय चिकित्सा शिविर का हुआ भव्य समापन

मुजफ्फरनगर। आज दोपहर वैश्य सभा जनपद मुजफ्फर नगर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय चिकित्सा शिविर का भव्य समापन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, चेयर पर्सन श्रीमती मिनाक्षी स्वरूप, गौरव स्वरूप बंसल, पूर्व विधायक अशोक कंसल, मुजफ्फर नगर बुलेटिन के संपादक अंकुर दुआ द्वारा किया गया, इस अवसर पर शिविर में कार्य करने वाले मुजफ्फर नगर मेडिकल कॉलेज की पूरी टीम, शिविर में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को मोमेंटो प्रदान किए गए। राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने वैश्य सभा द्वारा किए जा रहे कार्यों ओर कावड़ शिविर की भूरी भूरी प्रशंसा की। श्रीमती मिनाक्षी स्वरूप चेयर पर्सन,

गौरव स्वरूप मुजफ्फर नगर मेडिकल, पूर्व विधायक अशोक कंसल, संपादक बुलेटिन अंकुर दुआ, संजय मित्तल, श्याम सिंह सैनी, सुखदर्शन सिंह बेदी, श्रीमोहन तायल, सुनील तायल, शलभ गुप्ता, भीम सैन कंसल, शलभ गुप्ता, अशोक अग्रवाल, शोभित गुप्ता, विकल्प जैन, कार्तिक स्वरूप, विश्वदीप गोयल बिट्टू, आदि ने भी अपने उद्बोधन में वैश्य सभा जनपद मुजफ्फर नगर के कार्यों की सराहना की। सभासद मनोज वर्मा, योगेश मित्तल, विकल्प जैन, शोभित गुप्ता, प्रियांक गुप्ता,विशाल गर्ग ,सफ़ाई नायक विशाल, भारत भूषणभारत स्काउट ,का भी सभा ने मोमेंटो प्रदान कर सम्मान किया। कार्यक्रम में सहयोग के लिए अध्यक्ष कृष्ण गोपाल मित्तल, महामंत्री अजय सिंघल ने दिनेश बंसल, अनिल तायल, शिव कुमार सिंघल, संजीव गोयल, संजय गुप्ता, सौरभ मित्तल, योगेश भगत जी, राकेश कंसल, जनार्दन स्वरूप, रजत गोयल, श्रीमोहन तायल, प्रवीण टैंट, मित्तर सेन अग्रवाल, सत्य प्रकाश मित्तल, शोभित सिंघल, आयुषी अग्रवाल, मोंटी बंसल, तरुण मित्तल, अभिलक्ष मित्तल आदि सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अजय कुमार सिंघल महामंत्री एवम् अध्यक्षता कृष्ण गोपाल मित्तल ने की।

बिजली कर्मियों ने ऊर्जा मंत्री का घर घेरा, एके शर्मा ने मिलने से किया इनकार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बिजली कर्मियों का गुस्सा अब उबाल पर है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर आज कर्मचारियों ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के घर आवास का घेराव किया। ऊर्जा मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ऊर्जा मंत्री ने प्रदर्शनकारियों से मिलने से इनकार कर दिया। इससे उनका गुस्सा और बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिजली विभाग हमारा और आपका, नहीं किसी के बाप का। कर्मचारियों ने ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। इस मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। दरअसल, बिजली के निजीकरण और 10 मिनट बिजली गुल होने पर चीफ इंजीनियर से लेकर जूनियर इंजीनियर तक पर की गई कार्रवाई का बिजली कर्मी विरोध कर रहे हैं।ऊर्जा मंत्री के आवास पर सुबह से ही बड़ी संख्या में कर्मचारियों का जुटना गया था। 12 बजे तक बड़ी संख्या में बिजली कर्मी जुट गए। मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने के लगे। अफसरों ने मंत्री से मुलाकात कराने का आश्वासन दिया। मिलने वालों के नाम मांगा। संगठन ने 10 पदाधिकारी के नाम भेजें। जिस पर मंत्री ने रिटायर्ड कर्मियों से मिलने से मना कर दिया। इस पर संघर्ष समिति संयोजक शैलेंद्र दुबे ने एक समझौते का आश्वासन देते हुए भेजे गए नाम के प्रतिनिधि मंडल से ही मुलाकात की मांग की। इस पर मंत्री ने मिलने से मना कर दिया। इसके बाद बिजली कर्मी मंत्री के आवास के गेट पर जाकर नारेबाजी करने लगे।अभियंता संघ के महामंत्री जितेन सिंह गुर्जर ने बताया कि लगातार 8 महीने से निजीकरण का विरोध चल रहा है। ऊर्जा मंत्री जहां–जहां जा रहे हैं वहां निजीकरण के फायदे बता रहे हैं। हम उनको आज बताने आए हैं कि इस निजीकरण से उपभोक्ता और नौजवान का क्या नुकसान है?

सावन में सेवा और शिवभक्ति का संगमः

डॉ. अंकुर 'मानव' ने जन्मदिवस पर लगाया रुद्राक्ष का पौधा, कांवड़ियों को दी वैकल्पिक चिकित्सा सेवा

मुजफ्फरनगर। सावन मास की पावन ऊर्जा और शिवभक्ति से ओत–प्रोत वातावरण में खतौली निवासी डॉ. अंकुर प्रकाश गुप्ता श्मानवश ने अपने जन्मदिवस (21 जुलाई) को सेवा और समर्पण के रूप में मनाकर समाज के लिए प्रेरणा का कार्य किया। समाजसेवा, लेखन और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम बन चुके डॉ. गुप्ता का यह आयोजन न केवल धार्मिक श्रद्धा से भरा रहा, बल्कि जनकल्याण के भाव से भी अभिसिंचित रहा। डॉ. गुप्ता ने थानेश्वर महादेव मंदिर परिसर, श्री शिव संस्कृत महाविद्यालय, बुढ़ाना रोड पर हर वर्ष की भांति इस बार भी रुद्राक्ष के पवित्र पौधे का रोपण कर शिवभक्ति और पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जन्मदिवस पर वे किसी न किसी शिवधाम में रुद्राक्ष का पौधा अवश्य लगाते हैं, ताकि धर्म, प्रकृति और सेवा के बीच संतुलन बना रहे। इसके साथ ही उन्होंने सावन में उमड़े शिवभक्त कांवड़ियों की पीड़ा को देखते हुए मर्म चिकित्सा एवं च्ण्थ् तकनीक से निरूशुल्क उपचार सेवा भी प्रदान की। भारी कांवड़ के बोझ और लम्बी दूरी के चलते पीठ, कंधे और पैरों में थकान से जूझ रहे कांवड़ियों को डॉ. गुप्ता की

उपचार पद्धति से तात्कालिक राहत मिली, जिसकी श्रद्धालुओं ने प्रशंसा की। इस आयोजन में जुनेजा ट्रेडिंग कंपनी के मालिक अजय कुमार जुनेजा के सहयोग से मिष्ठान्न, जल, दूध आदि का वितरण भी किया गया, जिससे सैकड़ों शिवभक्त लाभान्वित हुए। इस पुण्य कार्य में समाज के कई गणमान्य लोग मनोज सैनी, सुमित गुप्ता, सुगंधा नारंग, देवेंद्र शर्मा, जयविंदर पाल आदि गणमान्यजनों ने न केवल आयोजन में सहभागिता निभाई, बल्कि डॉ. गुप्ता के सेवा भाव की खुले दिल से सराहना की। डॉ. गुप्ता को वर्ष 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल द्वारा सम्मानित किया जा चुका है, और पब्लिक यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, अमेरिका द्वारा उन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि से भी विभूषित किया गया है। वे इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी लखनऊ के आजीवन सदस्य हैं और अब तक 58 बार रक्तदान उपस्थित रहे और सक्रिय सहयोग प्रदान किया। वरिष्ठ आचार्य श्री कृष्ण गोपाल शर्मा, प्रधानाचार्य श्री प्रदीप शर्मा, विजय कुमार शर्मा, अंकित राणा, अनुज राणा, जूली राणा, पूजा राणा, रितु गुप्ता, अशोक जैन, कर चुके हैं। उनकी प्रेरणा से हजारों युवाओं ने रक्तदान को जीवन का संकल्प बनाया है। डॉ. गुप्ता का मानना है कि जन्मदिवस केवल उत्सव नहीं, शिव सेवा और जन कल्याण के लिए एक अवसर होना चाहिए। उनका यह सतत प्रयास समाज में सकारात्मक संदेश और ऊर्जा का संचार कर रहा है।

पी.आर.पब्लिक स्कूल में भारत विकास परिषद मेंन की ओर से वृक्षारोपण समारोह आयोजित

'जब होगी पेड़-पौधों की बढ़त' 'तभी होगी जीवन की बढ़त ।'

मुजफ्फरनगर। पचेंड़ा रोड स्थित पी आर पब्लिक स्कूल में मंगलवार को भारत विकास परिषद मेंन की ओर से वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रबंधक श्री अशोक सिंघल, प्रधानाचार्य अनघ सिंघल जी तथा भारत विकास परिषद मेंन की ओर से आए श्री नवनीत गुप्ता (सचिव), श्री नीरज सिंघल (कोषाध्यक्ष), श्री शिशु कांत गर्ग (प्रांतीय संयोजक पर्यावरण), श्री विष्णु स्वरूप अग्रवाल, श्री अश्वनी वर्मा (प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी) श्री लक्ष्मीकांत मित्तल (प्रांतीय प्रकल्प संयोजक) श्री संजय मिश्रा (अध्यक्ष) श्रीमती अंजनी गर्ग ,श्री हर्षवर्धन जैन (प्रांतीय मार्गदर्शक) बृजमोहन शर्मा (प्रांतीय प्रकल्प संयोजक सरल सामूहिक विवाह), श्री मनीष गर्ग (प्रांतीय सचिव संकल्प), डॉ रश्मि विनायक (प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी संगोष्ठी एवं वार्ता) द्वारा मां सरस्वती के पूजन और माल्यार्पण के साथ किया गया। श्री नवनीत गुप्ता जी द्वारा उपस्थित सभी गणमान्य जनों को पटका पहनाकर उनका स्वागत किया गया। कक्षा 7 की छात्रा अंशिका धीमान ने सभी अतिथि गणों का तिलक लगाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान, छात्रों, शिक्षकों और स्वयंसेवकों ने स्कूल परिसर में विभिन्न प्रकार के पेड़ लगाए। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक पौधे लगाने में सहयोग किया। इस

कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों में अंशिका, युग धीमान, आरव कौशिक, विराट, कार्तिक चौहान आदि का नाम शामिल है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर कार्यक्रम को समर्पित एक सिंदूर का पौधा भी विद्यालय प्रांगण में लगाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना था। वृक्षारोपण कार्यक्रम बेहद सफल रहा, जिससे स्कूल का वातावरण हरा–भरा बना और छात्रों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ी। स्कूल प्रधानाचार्य अनघ सिंघल जी ने कहा कि स्कूल भविष्य में भी स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है। हम सभी को एक पेड़ लगाना चाहिए, हम सभी संकल्प लेते हैं एक पेड़ लगाएंगे एवं एक पेड़ लगवाएंगे, उसकी सुरक्षा भी करेंगे। स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल जी ने उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा –वृक्ष व वृक्षों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा –सुखद जीवन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण करना चाहिए,पेड़ प्रकृति की अनुपम देन है। पेड़ एक देश की बहुमूल्य संपदा होते हैं, जहां पर पेड़ अधिक मात्रा में होते हैं। वहां की जलवायु स्वच्छ होती है। पेड़ हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं और इनकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। जब तक पृथ्वी पर पेड़ों का अस्तित्व है तब तक ही मानव सभ्यता का अस्तित्व है।

इसलिए हमें पेड़ों की सुरक्षा करनी होगी। श्रीमती दिव्या शर्मा, श्रीमती प्रियंका चौधरी, श्री विश्व बंधु शर्मा, श्री शंकर शर्मा, दीपक मलिक, श्रीमती चांदनी आदि के सहयोग से आज का यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

सावन के दूसरे मंगलवार को भयहरण नाथ धाम में भारी भीड़

पुलिस नगर पंचायत व प्रबन्ध समिति की रही सराहनीय भूमिका अवैध वसूली को बढ़ावा देने वाले दो संरक्षक हुए निलंबित

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सावन मेला के दूसरे मंगलवार को भारी भीड़ हुई। परम्परागत मंगलवार मेला होने के नाते श्रद्धालु भक्तो का रेला जलाभिषेक हेतु ऊमड पडा। पुलिस, नगर पंचायत व प्रबन्ध समिति की सराहनीय भूमिका रही। हालांकि लिखित रूप से प्रतिबंध के बावजूद कुछ लोग अवैध वसूली करते हुए पकड़े गए। अवैध

वसूली को बढ़ावा देने के आरोपी दो संरक्षकों देवी प्रसाद मिश्र व अशोक कुमार मिश्र पप्पू को प्रबन्ध समिति की कोर कमेटी ने परामर्श करके प्रथम दृष्ट्या संदिग्ध भूमिका मानकर निलंबित करने का निर्णय लिया गया।

यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया की सुबह ४ बजे से सभी जरूरी कार्यकर्ताओं व पुलिस व नगर पंचायत कर्मियों ने अपनी जिम्मेदारी संभाल ली। मुख्य मन्दिर सहित सभी मंदिरों के पुजारी पूजन करके कपाट खोल दिया। अस्थाई थाना प्रभारी अरुण मौर्य, प्रबन्ध समिति के कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व नगर पंचायत प्रतिनिधि मुकेश सिंह ने कंट्रोल रूम से सभी व्यवस्था पर निगरानी करते हुए व्यवस्था में सहयोग किया। नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव, थानाध्यक्ष सुभाष यादव व महासचिव समाज शेखर ने कंट्रोल रूम से निरंतर संपर्क व संवाद बनाकर सभी कार्यो का पर्यवेक्षण करते हुए सभी का मार्गदर्शन व सहयोग किया।

धाम में उप जिला मजिस्ट्रेट के आदेश से कई वर्षो से अवैध वसूली आदि पर रोक लगती है। इस वर्ष भी आदेश के बावजूद अपने निजी हित में दो संरक्षक सदस्यों देवी प्रसाद मिश्र व अशोक मिश्र पप्पू ने एक पुजारी व लोगो को उकसाया अवैध वसूली को बढ़ावा दिया। नगर पंचायत व प्रबन्ध समिति के प्रतिनिधियो से प्रतिवाद किया। प्रबन्ध समिति ने वीडियो वायरल होने के बाद मामले को संज्ञान में लेकर कोर समिति की रिपोर्ट पर प्रथम दृष्ट्या दोषी पाये गए संरक्षक द्वय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया और धाम में हुई इस घटना की पुनरावृत्ति न हो।

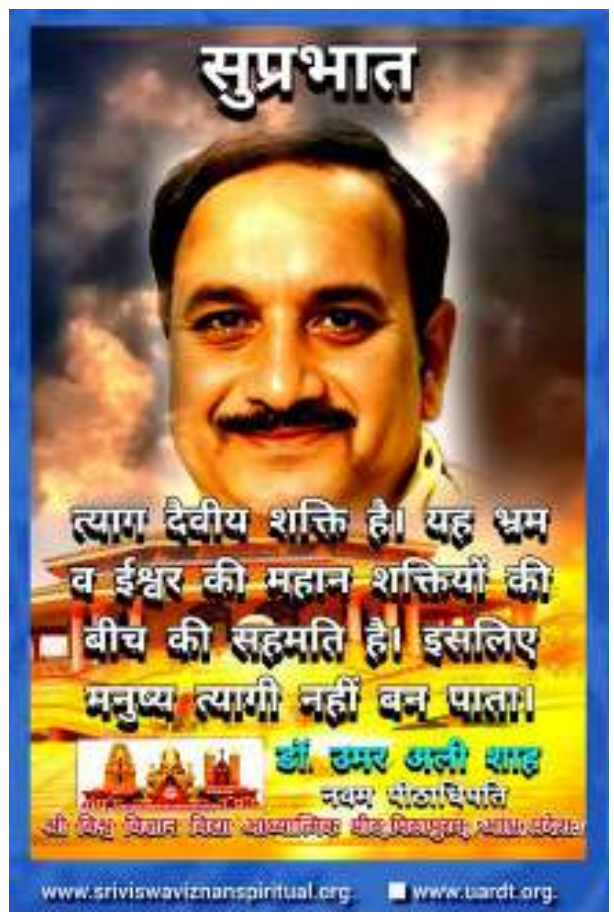

चन्दन कोसा आम

(कुण्डलिया)

अंतस में खुशबू बसा, 'चंदन कोसा' आम।
नगर मुर्शिदाबाद का,करता ऊँचा नाम।
करता ऊँचा नाम,महक चंदन–सा भरकर।
गूदा रेशेदार, रसीली गगरी बनकर।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी से बातें करके।
खुशबूदार मिठास, भरा इसके अंतस में।।

'चन्दन कोसा' आम की, है ऐसी इक किस्म।
छोटा दो सौ ग्राम का, जिसका पूरा जिस्म।
जिसका पूरा जिस्म, नवाबों को था भाता ।
चन्दन–खुशबू ख़ास, सभी को पास बुलाता।
सुन लो कहें प्रदीप,न इसमें कोई लोचा।
मन को लेता मोह,आम यह 'चन्दन कोसा'।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

यूपी में 2026 तक सभी स्कूलों में होगी बालवाटिका

लखनऊ, संवाददाता। प्राथमिक स्कूलों से सम्बद्ध आंगनबाड़ियों में संचालित बाल बाटिका को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्व–प्राथमिक शिक्षा अभियान की ऐतिहासिक शुरुआत करने की तैयारी कर ली है। राज्य सरकार ने वर्ष 2026 तक अपने सभी 1,11,621 प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में बालवाटिका–3 (यूकेजी) कक्षाएं संचालित करने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। सरकार के इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए एज्युकेटर व शिक्षामित्रों की तैनाती की जाएगी। इस बाबत बेसिक शिक्षा विभाग ने सरकार को प्रस्ताव भेजा है। वर्तमान में छात्र संख्या के आधार पर सरकार की तरफ से 50 से कम छात्र संख्या वाले स्कूलों का नजदीक के स्कूल में मर्ज कर शिक्षकों की

नए सिरे से तैनाती दी जा रही है। जिससे शिक्षा के स्तर में सुधार होने के साथ ही शिक्षकों की तैनाती की जा सके। अभी हाल ही पूरे प्रदेश में 5000 स्कूल बंद हुए हैं। जबकि 2018–19 में 27 हजार स्कूलों का विलय किया गया है। इस क्रम में इन विद्यालयों में तैनात शिक्षामित्रों के भविष्य को देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने इन्हें बाल वाटिका में तैनात करने का निर्णय लिया है। प्रदेश में कुल 1.35 लाख स्कूल हैं। हर स्कूल में दो दो शिक्षामित्र तैनात हैं। इसके अलावा राज्य सरकार ने ईसीसीई (अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन) एज्युकेटर की एक नई और समर्पित श्रेणी का गठन किया है। इन प्रशिक्षित एज्युकेटर की नियुक्ति चरणबद्ध तरीके से संविदा के माध्यम से की जा रही है। प्रारंभिक चरण में वे विद्यालय जिनमें आंगनबाड़ी केंद्र सह–स्थित हैं, वहां नियुक्त किए जा रहे हैं। जहाँ यह सुविधा नहीं है, वहाँ प्रशिक्षित नोडल शिक्षक अथवा शिक्षामित्र अस्थायी रूप से बालवाटिका–3ध्यूकेजी का संचालन करेंगे। इन सभी बालवाटिका 3ध यूकेजी में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा व्यापक सहयोग प्रदान किया जाएगा। सभी एज्युकेटर एवं नोडल शिक्षक का प्रशिक्षण, शैक्षिक सामग्री के अंतर्गत कार्यपुस्तिकाएँ एवं गतिविधि आधारित किट (वन्डरबॉक्स) के साथ–साथ लर्निंग कॉर्नर एवं स्टेशनरी मटेरियल हेतु सहयोग प्रदान जाएगा। इसके अतिरिक्त, अवस्थापना सुविधाओं हेतु बाल मैत्रिक फर्निचर, आउट्डोर प्ले मटेरियल, बाला फीचर्स एवं सामुदायिक सहभागिता से जुड़े कार्यक्रमों हेतु भी सहयोग प्रदान किया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने बताया कि इस बाबत शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। अनुमोदन के उपरांत इसे लागू किया जाएगा। गौरतलब है कि पंजाब में लगभग 13,000 और असम में 25,000 से अधिक स्कूलों में ईसीसीई की व्यवस्था है, वहीं उत्तर प्रदेश सभी 1.1 लाख स्कूलों में बालवाटिका–ध्यूकेजी शुरू करने जा रहा है–जो दुनिया में अपने आप में सबसे बड़ा ईसीसीई अभियान होगा। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश या कर्नाटक ईसीसीई को अभी सीमित या प्रायोगिक स्तर पर लागू कर रहे हैं।

सम्पादकीय.....

बुजुर्गों पर संकट

निर्विवाद रूप से जलवायु परिवर्तन से उपजी चुनौतियों का सामना आज समाज का हर वर्ग कर रहा है। खासकर विकासशील व गरीब देशों की स्थितियां विकट हैं जहां पर्यावरणीय प्रदूषण व लचर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते स्थिति गंभीर बनी हुई है। विशेष तौर पर इन दिनों जब अमेरिका–यूरोप समेत एशिया के तमाम देश भीषण गर्मी की चपेट में हैं। लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर विभिन्न रोगों से जूझ रहे बुजुर्गों पर ज्यादा पड़ रहा है। जिसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनइपी की ताजा रिपोर्ट करती है। चौंकाने वाली रिपोर्ट बताती है कि बीती सदी में नब्बे के दशक के बाद से लेकर अब तक भीषण गर्मी से बुजुर्गों की मौत में पिच्चासी फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, यूएनइपी की यह रिपोर्ट बुजुर्गों के समक्ष दरपेश गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों की ओर इशारा करती है। यह संकट लचर स्वास्थ्य सेवाओं व प्रदूषित वातावरण वाले गरीब व विकासशील मुल्कों में ज्यादा है। दरअसल, बुजुर्गों पर बढ़ते इस संकट की मूल वजह बड़ी उम्र में आंतरिक तापमान को नियंत्रण में करने की क्षमता घटना है। जिससे वे मौसम की तीव्रता को सहन नहीं कर पाते। फलतरू गर्मी व ठंड की तीव्रता को सहन करने में उनका शरीर सक्षम नहीं हो पाता। कुल मिलाकर उनकी कम होती रोग प्रतिरोधक क्षमता गंभीर बीमारियों का कारण बनती है। वैसे भी मौसम के चरम का असर उन लोगों के लिये ज्यादा संवेदनशील होता है जो बढ़ती उम्र के रोगों से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहे देशों को बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना चाहिए। दरअसल, पर्यावरण प्रदूषण इस संकट को और गहरा कर रहा है। खासकर शहरों में स्थिति ज्यादा विकट है, जहां बुजुर्ग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रलोभन में आ बसते हैं। फलतरू मरीजों के दबाव से स्वास्थ्य सेवाएं भी चरमराने लगती हैं। जिसकी कीमत बुजुर्गों को चुकानी पड़ती है। सेवानिवृत्ति के बाद व्यक्ति की आय कम हो जाती है, फलतरू शारीरिक क्षमता में गिरावट के बाद बढ़ती उम्र के रोगों का इलाज करा पाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। ऐसे में यदि उनके बच्चे उनका साथ नहीं देते तो उनके लिए संकट और गहरा जाता है। निस्संदेह, बुनियादी ढांचे को मजबूत करके स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ती व सर्व सुलभ बनाने की भी जरूरत है। जिससे संवेदनशील वर्ग के संकट के समाधान में मदद मिल सके। ऐसे में बुजुर्गों की भागीदारी सामाजिक कार्यक्रमों व आय के साधन जुटाने में बढ़ाई जानी चाहिए। जिससे शारीरिक गतिशीलता से उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके। दरअसल,बढ़ती उम्र व बीमारियां उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम करती हैं। निस्संदेह, यदि वैश्विक तापमान में और वृद्धि होती है, तो बुजुर्गों के लिये ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के घातक परिणाम हो सकते हैं। यूएनइपी की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक तापमान में यदि औद्योगिक समय के बाद से दो डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो वर्ष 2050 के बाद बुजुर्गों की मौत के प्रतिशत में तीन सौ फीसदी से अधिक की वृद्धि हो सकती है। इस आसन्न संकट से योजनाबद्ध प्रयासों से ही निबटा जा सकता है।

विपक्ष की सरकार को घेरने की तैयारी

डॉ. दीपक पाचपोर

जनता वाकई यह मान बैठी थी कि हिंदुत्व को बचाने या राष्ट्रवाद को थोड़ा और उग्र कर देने से ही उसकी समस्याओं का समाधान निकल जाएगा। लेकिन हकीकत जनता भी देख रही है कि उसे अब भी शब्दों की जुगाली मिल रही है।

देश का सियासी मौसम बता रहा है कि यह मानसून सत्र विपक्ष के तूफान सत्र में बदल सकता है। बड़ी बात यह है कि अब श्री मोदी के पास ऐसा कोई मुद्दा भी नहीं बचा है, जिसे सहारा बनाकर वो मजबूती से खड़े रहें। सत्ता की शुरुआत में तो राम मंदिर बनाने से लेकर जम्मू–कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लेने जैसे कई वादे थे, जिनसे जनता की आंखों में न्यू इंडिया बनाने की चमक आ जाती थी। जनता वाकई यह मान बैठी थी कि हिंदुत्व को बचाने या राष्ट्रवाद को थोड़ा और उग्र कर देने से ही उसकी समस्याओं का समाधान निकल जाएगा। लेकिन हकीकत जनता भी देख रही है कि उसे अब भी शब्दों की जुगाली मिल रही है। मोदी को वाराणसी से जीतना था तो काशी को क्योटो बनाने की बात कहते थे, साथ में बुलेट ट्रेन की रफ्तार का पैकेज दे दिया। और 11 साल बाद मोतिहारी और मुंबई, गयाजी और गुरुग्राम, पटना और पुणे के गीत जनता को सुनाए जा रहे हैं। बिहार में अपने ताजा दौरे में मोदी ने यही किया। हम ये करेंगे, हम वो करेंगे, ऐसा कहते हुए श्री मोदी एक बार भी जनता को ये आश्वासन नहीं दे सके कि उससे वोट देने का हक नहीं छीना जाएगा, न ही उसकी सुरक्षा पर आ रही आंच को लेकर कोई चिंता जताई। क्योंकि प्रधानमंत्री खुद नहीं जानते कि जब असलियत में काम करना होता है, तो क्या और कैसे किया जाता है। श्री मोदी की इस कमजोरी को अब चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार दोनों समझ रहे हैं। नीतीश कुमार को तो फिर से मुख्यमंत्री बनने की लालसा है, लिहाजा है वो नरेन्द्र मोदी के सामने न केवल खुद हाथ जोड़ रहे हैं, बल्कि बार–बार बिहार की जनता से कह रहे हैं, उठो रे, इनका नमन करो, इनको प्रणाम करो। ऐसा करके नीतीश कुमार उस लोकतंत्र को थप्पड़ मारने का काम कर रहे हैं, जिसके बूते इन लोगों को सत्ता पर बैठने मिला है। भला ये कोई बात हुई कि जनता का काम करने के लिए चुने गए लोगों को इस बात के लिए प्रणाम किया जाए कि वो काम कर रहे हैं, और जो काम नहीं कर पाएं हैं, या नहीं कर रहे हैं, क्या उसके लिए इन्हीं लोगों से सवाल नहीं होने चाहिए। क्या नीतीश कुमार एक बार भी यह कहेंगे कि उठो रे पूछो इनसे कि मोतिहारी में चीनी मिल चालू क्यों नहीं हुई है। खैर.. नीतीश कुमार कुछ न कहें या नरेन्द्र मोदी जनता के सवालों का जवाब न दे, फिर भी सवाल तो उठेंगे ही। इस मानसून सत्र में विपक्ष ऐसे ही सवालों को उठाने की तैयारी में है, जिनसे बचने की कोशिश में श्री मोदी कितनी बार संसद से गायब रहते हैं, ये देखना दिलचस्प होगा। 21 जुलाई से लेकर 21 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र को लेकर विपक्ष ने अपनी तैयारी को धार देना शुरु कर दिया है। शनिवार शाम इस सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति बनाने के लिए इंडिया गठबंधन की बैठक हुई। हालांकि, इसमें आम आदमी पार्टी शामिल नहीं हुई, उसने बाकायदा कह दिया है कि इंडिया गठबंधन लोकसभा तक ही था, लेकिन जो सवाल कांग्रेस समेत बाकी विपक्ष के हैं, वही सवाल आप के भी हैं। इसलिए इंडिया गठबंधन के उठाए सवालों में आप की आवाज शामिल हो या न हो, उन सवालों के असर से मोदी बच नहीं सकते। इंडिया गठबंधन के सवाल कितने कठिन रहने वाले हैं, इसकी झलक शनिवार को राहुल के एक ट्वीट से मिल भी गई, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर पर 24वीं बार किए गए दावे से एक बात को उठाते हुए राहुल ने सवाल किया है कि पांच जहाजों का सच क्या है। दरअसल ट्रंप ने इस बार पांच लड़ाकू जहाजों के नुकसान का भी जिक्र किया, लेकिन शायद जानबूझ कर ट्रंप ने यह नहीं बताया कि ये जहाज भारत के थे या पाकिस्तान के। भारत में पहले सीडीएस से लेकर इंडियन नेवी के अफसर तक ने यह बयान दिया है कि भारत को नुकसान हुआ है, लेकिन विपक्ष के पूछने के बावजूद सरकार ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया। ट्रंप इस बात को अच्छे से जानते हैं कि उनके बयान पर नरेन्द्र मोदी अपने देश में घिर रहे हैं, और लड़ाकू विमान के गिरने की बात पर भी उनसे सवाल हो सकते हैं, फिर भी शायद नरेन्द्र मोदी को फंसाने के लिए ट्रंप ने ऐसा उलझाने वाला बयान दिया, ताकि भ्रम फैले। संसद में अब समूचा विपक्ष इस पर सच की मांग करेगा। सरकार भले ऑपरेशन सिंदूर को देश की सुरक्षा से जुड़ा मामला बताकर सवाल को रफा–दफा करे या फिर इसके लिए कुछ सांसदों को निलंबित करे या जब वो बोलने खड़े हों तो उनके माइक बंद कर दिए जाएं, लेकिन क्या अब जनता तक इन सवालों को पहुंचने से रोका जा सकता है। वैसे मानसून सत्र में कौन से मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे, इसे लेकर इंडिया ब्लॉक की जो बैठक हुई, उसमें 24 दलों के नेता शामिल हुए। पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, ट्रंप के 24 बयान, बिहार में एसआईआर की कवायद, एससी, एसटी पर अत्याचार, परिसीमन, अहमदाबाद विमान हादसा इन मुद्दों पर खास तौर से सरकार को घेरने की तैयारी है। बाकी बेरोजगारी, महंगाई, नारी उत्पीड़न, किसानों पर अत्याचार ये सारे तो पिछले 11 सालों से स्थायी मुद्दे बन चुके हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक साल भर बाद हुई, लेकिन 24 दलों के नेता इसमें शामिल हुए, तो उससे एक बात जाहिर हो गई है कि विपक्ष अब भी एकजुट है। कुछ दलों के बाहर निकलने या नाराज होने से विपक्ष की एकजुटता पर कोई असर नहीं पड़ा है, न ही लोकतंत्र और संविधान को बचाने की उसकी प्रतिबद्धता में कोई कमी आई है।

ब्रिक्स के सदस्यों को ट्रंप की टैरिफ धमकी का संयुक्त रूप से विरोध करना होगा

प्रकाश कारत

17वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 6–7 जुलाई को रियो डीजनेयरो में आयोजित हुआ, जो ग्यारह देशों की विस्तारित सदस्यता वाला पहला शिखर सम्मेलन था। इसके तुरंत बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिक्स के साथ जुड़ने वाले देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी। इससे पहले भी, ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी देते हुए कहा था कि वे अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को नष्ट करना चाहते हैं और अमेरिका को कमजोर करना चाहते हैं। ट्रंप ब्रिक्स से इतने भयभीत और उत्तेजित क्यों हैं? ब्रिक्स मूलरूप से पांच देशों से बना थारू ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका। इसकी शुरुआत 2009 में पहले चार देशों के साथ हुई और एक साल बाद दक्षिण अफ्रीका इसमें शामिल हुआ। ब्रिक्स की परिकल्पना एक ऐसे मंच के रूप में की गई थी जो वैश्विक दक्षिण के हितों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करे। ब्रिक्स के पांच सदस्य विश्व की 40 प्रतिशत जनसंख्या और विश्व की अर्थव्यवस्था का एक–चौथाई हिस्सा हैं। 2024 में जोहान्सबर्ग में आयोजित 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में, इस मंच में छह और देशों–मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया– को शामिल करने का निर्णय लिया गया। अब ब्रिक्स के ये ग्यारह देश मिलकर विश्व की 49.5 प्रतिशत जनसंख्या, विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत और विश्व के व्यापार का 26 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। ब्रिक्स कोई गुट या गठबंधन नहीं है। यह वैश्विक दक्षिण के देशों का एक समूह है (रूस एकमात्र अपवाद है), जो बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार, व्यापार, आर्थिक सहयोग, जलवायु परिवर्तन और प्रौद्योगिकी पर समान विचारों पर पहुंचने का प्रयास करता है। इस प्रकार, ब्रिक्स में आईएमएफ, विश्वबैंक जैसी संस्थाओं और व्यापार एवं वित्तीय तंत्रों पर जी–7 देशों और पश्चिमी साम्राज्यवाद के प्रभुत्व को चुनौती देने की क्षमता है। ब्रिक्स का उदय 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में हुआ और जी–20 के जी–7 देशों की छाया से बाहर निकलने में विफल रहने के बाद यह और अधिक प्रासंगिक हो गया। रियो डीजनेयरो घोषणापत्र ने हाल ही में हुई दो आक्रामक घटनाओं के संबंध में वैश्विक दक्षिण की स्थिति को स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित किया है। इसने ईरान की संप्रभुता और परमाणु स्थलों पर हमलों की निंदा की है, और इसने गाजा पर इजराइल के नए हमलों और खाद्य एवं मानवीय आपूर्ति की नाकेबंदी की कड़ी निंदा की है। घोषणापत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका का नाम लिए बिना एकतरफा टैरिफ और गैर–टैरिफ उपायों में वृद्धि पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। इसने आईएमएफ और विश्व बैंक में प्रमुख वैश्विक दक्षिण देशों के लिए अधिक मतदान शक्तियों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ब्राजील और भारत के प्रतिनिधित्व की लंबे समय से चली आ रही मांग को भी दोहराया है। राष्ट्रपति ट्रंप की नाराजगी का कारण ब्रिक्स द्वारा डॉलर पर निर्भरता कम करने और बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों पर अमेरिका और जी–7 देशों की पकड़ ढीली करने के लिए उठाए जा रहे कदम और उपाय हैं। अमेरिका द्वारा विशिष्ट देशों के विरुद्ध आर्थिक और वित्तीय प्रतिबंधों का तेजी से उपयोग करने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय एवं बैंकिंग प्रणालियों से बाहर करने के साथ, अधिक से अधिक देश वैकल्पिक व्यवस्थाओं के माध्यम से अपने हितों की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिक्स सदस्यों ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और मुद्रा विनिमय व्यवस्था पर चर्चा की है। सीमा पार भुगतान के लिए कदम भी एजंडे में हैं। रियो घोषणापत्र में कहा गया है कि नेता अपने देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों को शब्रिक्स सीमा पार भुगतान पहल पर चर्चा जारी रखने और ब्रिक्स भुगतान कार्य बल (बीपीटीएफ) द्वारा ब्रिक्स भुगतान प्रणालियों की बेहतर अंतर–संचालन क्षमता पर चर्चा जारी रखने के लिए संभावित रास्तों की पहचान करने में हुई प्रगति की सराहनाय करने का काम सौंपेंगे। हालांकि वैकल्पिक मुद्रा व्यवस्था का कोई विशिष्ट लक्ष्य नहीं है, लेकिन डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए उठाए गए सीमित कदम ट्रंप प्रशासन में चिंता का विषय बन रहे हैं। ब्रिक्स कुछ वैकल्पिक संस्थाओं की स्थापना में क्रमिक प्रगति कर रहा है, यह न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) के उदाहरण से स्पष्ट है। इसकी स्थापना 2015 में 100 अरब डॉलर की पूंजी से हुई थी और इसका मुख्यालय शंघाई में है। यह बैंक ऋणों के भुगतान के लिए ऋण देने के बजाय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए ऋण प्रदान करता है। बैंक ने अब तक ब्रिक्स सदस्य देशों और वैश्विक दक्षिण के अन्य देशों में 98 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 36 अरब डॉलर का ऋण दिया है। वर्तमान में इस बैंक की प्रमुख ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति डिल्मारूसेफ हैं। एनडीबी के अलावा, आकस्मिक आरक्षित व्यवस्था (सीआरए) भी है, जिसमें ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों के बीच से एक साझा कोष शामिल होता है। सीआरए मुद्रा संकट के दौरान सदस्य देश को सहायता प्रदान करता है। वामपंथी आलोचक ब्रिक्स को महत्वहीन मानते हैं क्योंकि इसका कोई सुसंगत साम्राज्यवाद–विरोधी एजेंडा नहीं है। यह आलोचना अनुचित है। ध्यान रखना चाहिए कि ब्रिक्स एक साम्राज्यवाद–विरोधी मंच नहीं है। जहां तक इस मंच के वैश्विक रुख को स्पष्ट करने का सवाल है, दक्षिण के साथ सहयोग करने और वैश्विक दक्षिण की विकास आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने वाले साझा प्रयासों की शुरुआत करने से, यह बहुध्रुवीयता को मजबूत करने के उद्देश्य की पूर्ति करेगा। जैसे–जैसे ब्रिक्स मंच अपनी पहुंच और एकजुटता, दोनों के स्तर पर विकसित होता जाएगा, यह अमेरिका के नेतृत्व वाली साम्राज्यवादी व्यवस्था और विकासशील देशों के बीच मौजूद विरोधाभास की अभिव्यक्ति होगा। भारत सहित कई ब्रिक्स सदस्यों के संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंध हैं। लेकिन, ये देश वस्तुतरू एक बहुध्रुवीय विश्व में भी भागीदार हैं जो उनके राष्ट्रीय हितों की बेहतर पूर्ति करेगा। ऐसे देशों के लिए, ब्रिक्स में भागीदारी, अमेरिकी–साम्राज्यवादी व्यवस्था के साथ जुड़े रहते हुए भी, कुछ हद तक रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने के अधिक अवसर प्रदान करती है। ट्रम्प के राष्ट्रपतित्व में व्यापार और अन्य सभी क्षेत्रों में एकतरफा आक्रामकता देखी जा रही है, जिसका वैश्विक दक्षिण के देशों पर बुरा असर पड़ रहा है। व्यापार युद्ध केनडा, यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे घनिष्ठ सहयोगियों को भी नहीं बख्श रहा है। जहां एक ओर यह अमेरिका के नेतृत्व वाले साम्राज्यवादी गठबंधन को कमजोर कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक दक्षिण के लिए एक प्रामाणिक मंच के रूप में ब्रिक्स की अपील बढ़ रही है। अधिक से अधिक देश ब्रिक्स में शामिल होने के इच्छुक हैं। रियो शिखर सम्मेलन में एक नई भागीदार देशों की श्रेणी की शुरुआत की गई। आठ देशों– बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, थाईलैंड, युगांडा और उज्बेकिस्तान–को यह भागीदार दर्जा दिया गया है। इस नवाचार के साथ, वैश्विक दक्षिण के और भी देश इस मंच से जुड़ गए हैं। ब्रिक्स की अध्यक्षता एक वर्ष के लिए है। ब्राजील 2025 तक इसकी अध्यक्षता करेगा। राष्ट्रपति लूला के नेतृत्व में, कुछ अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। समूह ने संयुक्त कार्रवाई के लिए एक नया ढांचा पेश किया, जो संयुक्त राष्ट्र के आगामी जलवायु परिवर्तन सम्मेलन, जिसे कोपरू30 के नाम से जाना जाता है, से पहले समूह की समन्वित स्थिति को दर्शाता है। प्रौद्योगिकी के संदर्भ में, घोषणापत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शासन पर अधिक समावेशी वैश्विक चर्चाओं की वकालत की गई, जो वैश्विक दक्षिण की उन चिंताओं को प्रतिध्वनित करता है जिनका अक्सर इन बहसों में कम प्रतिनिधित्व होता है। एक अन्य परिणाम ब्रिक्स बहुपक्षीय गारंटी पहल का प्रस्ताव था, जिसका उद्देश्य जोखिम कम करने के लिए निवेश गारंटी प्रदान करके वैश्विक दक्षिण में बुनियादी ढांचे और विकास निवेश को सुगम बनाना है।

संसद में मोदी राहुल के सवालों से बच नहीं सकेंगे!

शकील अख्तर

पहलगाम के आतंकवादी हमले और सीजफायर पर सवाल न हों यह सोचकर मोदी सरकार ने संसद का विशेष अधिवेशन नहीं बुलाया। मगर रेत में सिर घुसाने से समस्या दूर नहीं हो जाती है बल्कि और बढ़ जाती है। यही मोदी सरकार के साथ हुआ। अब सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में वही सवाल और ज्यादा तथ्यों के साथ मोदी सरकार के सामने होंगे और उसके सामने इनसे बचने का एक ही तरीका होगा कि वे संसद नहीं चलने दें! विपक्ष जो इन्डिया गठबंधन के रूप में फिर एकजुट दिख रहा है साफ कह रहा है कि वह संसद को शांतिपूर्वक चलाने का इच्छुक है। मगर सवाल यह है कि क्या सत्ता पक्ष इसे शांतिपूर्ण तरीके से चलने देगा? विपक्ष को परेशान करने के उसने नए–नए तरीके खोज लिए हैं। 2023 के शीतकालीन अधिवेशन में तो विपक्ष के लगभग सारे सदस्य सदन से निष्कासित ही कर दिए गए थे। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से। अब सोमवार से शुरू हो रहे मानसून सत्र में सरकार क्या करेगी सबकी निगाहें इस पर हैं। विपक्ष का तो स्पष्ट है कि वह पहलगाम, सीजफायर, ट्रंप का दावा कि पांच जेट गिरे, बिहार में चुनाव आयोग द्वारा लगभग 15 प्रतिशत वोटरों के नाम वोटर लिस्ट से उड़ाना, जिनकी संख्या डेढ़ करोड़ बनती है, के अलावा और भी बहुत सारे सवाल उठाने की तैयारी कर चुका है। इनमें चीन और पाकिस्तान का गठजोड़, जिन्हें राहुल गांधी संसद में ही मोदी सरकार की सबसे बड़ी विदेश नीति की असफलता बता चुके हैं। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भी पाकिस्तान के नेतृत्व की प्रशंसा कर चुके हैं, यह भी विपक्ष मोदी सरकार की विदेश नीति की बड़ी नाकामयाबी के तौर पर संसद में उठाने की तैयारी में है। अहमदाबाद का विमान हादसा और उसके बाद सारा दोष पायलटों पर मढ़ने की कोशिश, डिलिमिटेशन जो दक्षिण के राज्यों को खासतौर पर चिंतित किए हैं, सरकारी एजेन्सियों का दुरुपयोग जिसके तहत अभी छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया और राबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की चार्जशीट, उनकी संपत्तियां जप्त करना और दलित पिछड़ों पर बढ़ते अत्याचार जैसे मामले भी विपक्ष संसद में उठाएगी। सारे मामले बहुत गंभीर हैं। मगर सवाल यह है कि क्या सत्ता पक्ष इन्हें उठाने देगा? संसद चलने देगा? बहुत मुश्किल है। सरकार अपने ऊपर उठने वाले हर सवाल से बचने की कोशिश करेगी। मगर विपक्ष खासतौर से कांग्रेस की तैयारियां भी कम नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहलगाम के आतंकवादी हमले और ट्रंप के दो दर्जन बार किए सीजफायर मैंने करवाया के दावों और 5 जेट गिरने जैसे अतिगंभीर विषय पर बोलने की तैयारी कर चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष को बोलने से रोकना सरकार के लिए बहुत मुश्किल होगा। ट्रंप के बार–बार बोलने से सारा मामला अंतरराष्ट्रीय हो गया है। अब अगर संसद में नेता प्रतिपक्ष को बोलने नहीं दिया जाएगा तो यह मामला भी अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर जाएगा। यह देश की लोकतांत्रिक आजादी से जुड़ा बड़ा सवाल बन सकता है। मोदी सरकार के लिए यह बहुत मुश्किल समय है। अगर नेता प्रतिपक्ष को बोलने देंगे तो राहुल आजकल जिस तरह फार्म में हैं वह सरकार की धज्जियां उड़ा देंगे। प्रधानमंत्री मोदी को जवाब देना पड़ेगा। और इसी से वे पहलगाम हमले के बाद से बच रहे हैं। गलती हुई यह माना जा चुका है। हालांकि छोटे स्तर पर जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल के स्तर पर इसकी जिम्मेदारी ली गई है। मगर सुरक्षा में चूक हुई स्वीकार करते ही यह सवाल उठ खड़ा हुआ कि केन्द्र शासित जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा की जिम्मेदारी किस की है? सबको पता है कि यह जिम्मेदारी केन्द्र सरकार की है। और केन्द्र तक बात आते ही सीधे प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर सवाल खड़े होते हैं। मोदी और शाह इसीसे बचना चाहते हैं। और इसलिए उप राज्यपाल मनोज सिन्हा जिम्मेदारी ले रहे हैं। पहलगाम हमले के बाद से जनता में सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमला करने वाले आतंकवादी कहां हैं? सरकार ने उन्हें पकड़ना तो दूर उनके नाम पते के बारे में भी आज तक कुछ नहीं बताया है। सूरक्षा चूक बहुत देर से स्वीकार की। लेकिन अगर की है तो उच्च स्तर पर इसकी जवाबदेही होना चाहिए। मगर प्रधानमंत्री मोदी तो इस विषय में पूरी तरह मौन हैं। वे गोली का जवाब गोले से और मोदी की गोली, रगों में सिंदूर और इसी तरह की बातें कर रहे हैं। मगर पहलगाम के आतंकवादी क्यों नहीं पकड़े गए और सीजफायर किसने करवाया और किन शर्तों पर इस पर एक शब्द भी नहीं बोल रहे हैं। और अब तो ट्रंप ने 5 जेट गिरे कहकर मामले को बहुत गंभीर बना दिया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सही कहा है कि प्रधानमंत्री को देश को इस बारे में बताना चाहिए ताकि अनुमानों आशंकाओं पर विराम लग सके। राहुल प्रधानमंत्री से ही पूछे सकते हैं। ट्रंप से तो मोदी सरकार पूछ सकती है, राहुल नहीं। मगर प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। सेना कह चुकी है हमें नुकसान हुआ। और आश्चर्यजनक बात है कि सेना के उच्चाधिकारी तीन–चार बार सार्वजनिक रूप से बोल चुके हैं। सेना कभी नहीं बोलती थी। लेकिन इस बार तो उसने साफ कहा कि नुकसान राजनीतिक कारणों से हुआ। और यह बात विदेश मंत्री एस. जयशंकर खुद कबूल कर चुके थे कि भारत ने पाकिस्तान पर हमला करने से पहले उन्हें सूचित कर दिया था। यह भूल भारतीय सेना को भारी पड़ी। राहुल गांधी यह सवाल भी उठा चुके हैं कि हमला करने से पहले उन्हें सूचित करने का क्या तुक था? संसद के इस सत्र में राहुल इन सारे सवालों पर बोलेंगे। अगर उन्हें लोकसभा में नहीं बोलने दिया तो वे सदन के बाहर बोलेंगे। जो सरकार के लिए ज्यादा मुश्किलें खड़ी करेगा। क्योंकि फिर यह सवाल विदेशी मीडिया के लिए भी बन जाएगा कि भारत के नेता प्रतिपक्ष को सदन के अंदर नहीं बोलने दिया तो वे सदन के बाहर बोले। अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि इन दिनों कमजोर हुई है। कभी भारत निर्गुट देशों का नेतृत्व करता था। जिसमें 120 से ज्यादा देश थे। आज पाकिस्तान के साथ संघर्ष में भारत अकेला पड़ गया था। मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह असफल साबित हो गई थी। और यह ऐसा नहीं है कि अचानक हो गई। इसके बारे में विदेशी मामलों के जानकारों ने बहुत पहले से चेतावनी दे रखी थी कि भारत की विदेश नीति राष्ट्र केन्द्रित न होकर व्यक्ति केन्द्रित की जा रही है। भारत भारत के बदले मोदी मोदी कहा जा रहा है। यहां तक कि मोदी के दौरे पर विदेश में एक भारतीय महिला ने कहा कि भारत का बताने पर हमारा अपमान होता था अब मोदी के देश का कहने पर सम्मान मिलता है। यह देश से बड़ा मोदी को बनाने का ही दुष्परिणाम था कि संघर्ष के समय एक भी देश हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। सेना को कहना पड़ा कि सामने हमसे पाकिस्तान लड़ रहा था मगर पीछे से दो देश चीन और तुर्किए और लड़ रहे थे।

बिना कपड़ों के फोटोशूट कराकर एक्ट्रेस ने तोड़ी सारी हदें, लोगों ने कहा-शर्म करो!

टीवी और वेब सीरीज की जानी–मानी एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी एक बार फिर अपने लुक्स और बोल्ड अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। वो अकसर अपनी तस्वीरों और फैशन स्टाइल को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। कई बार उनके बोल्ड फैशन को लेकर उन्हें तारीफ मिलती है, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ता है।

बिना कपड़ों के फोटोशूट से मचाया तहलका

इस बार खुशी मुखर्जी ने एक बहुत ही बोल्ड फोटोशूट कराया है जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इस फोटोशूट में खुशी बिना कपड़ों के नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्लैक कलर का फर वाला कंबल लपेट रखा है और साथ में हाई हील्स कैरी की हुई हैं।

खुशी ने इस लुक को और ज्यादा स्टाइलिश बनाने के लिए मिडिल पार्टेड हेयरस्टाइल बनाई है और साथ में स्मोकी आई मेकअप किया है। उनका कॉन्फिडेंस कैमरे के सामने साफ नजर आ रहा है। उन्होंने इस फोटोशूट के दौरान अपने टैटू भी फ्लॉन्ट किए हैं।

खुशी ने इस फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा–हॉटनेस और बोल्ड फोटोशूट। सोशल मीडिया पर जैसे ही ये तस्वीरें वायरल हुईं, लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कुछ लोगों ने उनके आत्मविश्वास की तारीफ की, लेकिन ज़्यादातर ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया।

ट्रोल्स ने की आपत्तिजनक टिप्पणी

सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने खुशी को जमकर ट्रोल किया। एक यूजर ने लिखा, ये हुई न बात, अब असली रंग दिखाया। वहीं एक और यूजर ने सवाल किया, मम्मी पापा कुछ नहीं बोलते हैं क्या? इस तरह के कमेंट्स की बाढ़ सी आ गई है।

पहले भी रह चुकी हैं ट्रोलिंग का शिकार

खुशी मुखर्जी इससे पहले भी कई बार अपने ड्रेसिंग स्टाइल को लेकर विवादों में आ चुकी हैं। एक बार उन्हें सिर्फ कुर्ता पहने हुए देखा गया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया था। एक इंटरव्यू में खुशी ने कहा था कि जब पैपराजी उनकी बोल्ड तस्वीरें क्लिक करते हैं तो उनका नाम बदनाम होता है। इस बयान से पैपराजी भड़क गए थे। उन्होंने कहा कि जब आप खुद ऐसे कपड़े पहनती हैं, तो हमारा क्या कसूर?

पैपराजी का कहना था कि उन्हें भी लोगों से बातें सुननी पड़ती हैं। इसके बाद खुशी ने पैपराजी से हाथ जोड़कर माफी मांगी थी और कहा था कि उनका इरादा किसी को परेशानी देने का नहीं था

खुशी मुखर्जी का यह नया फोटोशूट एक बार फिर से उन्हें सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बना रहा है। जहां कुछ लोग उनके आत्मविश्वास की तारीफ कर रहे हैं, वहीं कई यूजर्स उन्हें यह कहकर ट्रोल कर रहे हैं कि बोल्डनेस की हद पार कर दी।

लंदन की सड़कों पर टहलने निकले अक्षय को फैन ने चोरी छुपके की कैमरे में कैद करने की कोशिश, एक्टर का भड़का गुस्सा

बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार फिल्म 'हाउसफुल 5' की सफलता के बाद इन दिनों लंदन में छुट्टियां बिता रहे हैं, लेकिन उनकी यह ट्रिप एक अजीबोगरीब घटना की वजह से चर्चा में आ गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि एक फैन ने बिना पूछे अक्षय का वीडियो बनाना शुरू कर दिया, जिससे एक्टर नाराज हो गए और अपना गुस्सा जाहिर करते नजर आए। यह घटना लंदन की सड़कों पर उस वक्त घटी जब अक्षय कुमार टहलने निकले थे। इस दौरान उन्होंने कैजुअल ग्रे कलर की टी–शर्ट और शॉर्ट्स पहन रखे थे और एकदम कैजुअल मूड में दिख रहे थे। इसी दौरान एक फैन ने उन्हें पहचान लिया और बिना कुछ कहे अपना मोबाइल फोन निकालकर वीडियो बनाना शुरू कर दिया। शुरुआत में अक्षय ने उसे नजरअंदाज करने की कोशिश की, लेकिन जब वह फैन कैमरा लेकर उनके बेहद करीब आ गया, तो अक्षय का धैर्य टूट गया। वीडियो में साफ नजर आता है कि अक्षय कुमार अचानक फैन की ओर मुड़ते हैं और उसे ऐसा करने से रोकते हैं। वह न सिर्फ उसे टोकते हैं बल्कि उसके हाथ से फोन छीनने की कोशिश भी करते हैं। उस वक्त एक्टर के चेहरे पर नाराजगी साफ दिख रही थी। हालांकि, कुछ ही पलों में उन्होंने अपने गुस्से पर काबू पाया और फैन से बात की। बाद में उसी फैन के साथ उन्होंने स्माइल करते हुए सेल्फी भी खिंचवाई। यह वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

अलग–अलग कमरों में सोते हैं किरण और अनुपम खेर, शादी के 40 साल बाद खुलासा कर बोले एक्टर–वो कभी–कभी मुंहफट हो जाती है

एक्टर अनुपम खेर बॉलीवुड इंडस्ट्री के दिग्गज एक्टर्स में से एक हैं। हाल ही में उन्हें तन्वी द ग्रेट में देखा गया। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान अनुपम अपनी पत्नी व एक्ट्रेस किरण खेर के साथ नजर आए थे, जहां वह काफी कमजोर दिखीं थीं और एक्टर उनका पूरा ध्यान रखते दिखे थे। वहीं, हाल ही में अनुपम ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर हैरानीजनक खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह और किरण खेर दोनों अलग–अलग कमरों में सोते हैं। अनुपम खेर ने इस बात का खुलासा करते हुए कहा कि किरण खेर कभी–कभी बहुत मुंहफट हो जाती हैं, लेकिन बाद में मुझे एहसास होता है कि वह अपनी जगह ठीक हैं। वो वहमी हैं। वह ऐसा सोचती हैं कि चीजें गलत हो जाएगी। उन्होंने कहा– अभी ऐसा कुछ नहीं है लेकिन शुरुआत में ऐसा ही था। फिलहाल हम अब अलग–अलग सोते हैं। मान लो अगर मैं बाथरूम जाऊंगा तो उनको लगता है कि मैंने लिड नहीं रखा होगा। उनको लगता है कि मैं लाइट नहीं बंद करूंगा। मैं जैसे ही बिस्तर पर आता हूं वह सवालों की लाइन लगा देती थीं। जैसे लाइट बंद कर दी ? फ्लश कर दिया? पहले तो मुझे काफी अजीब लगता था इन आदतों से फर्क पड़ने लगता था, लेकिन फिर मुझे लगा कि वह काफी मजाकियां हैं। अनुपम खेर ने कहा, हर शादी की तरह हमारी शादी में भी काफी उलझनें आईं हमने अपनी शादी में काफी उतार चढ़ाव देखे हैं, लेकिन हां इस दौरान भी जो हमारे साथ था वह थी करुणा, एक दूसरे के लिए सम्मान जो हर एक शादी में होना बहुत जरूरी होता है। हम पति पत्नी के साथ ही एक दूसरे के दोस्त भी हैं।

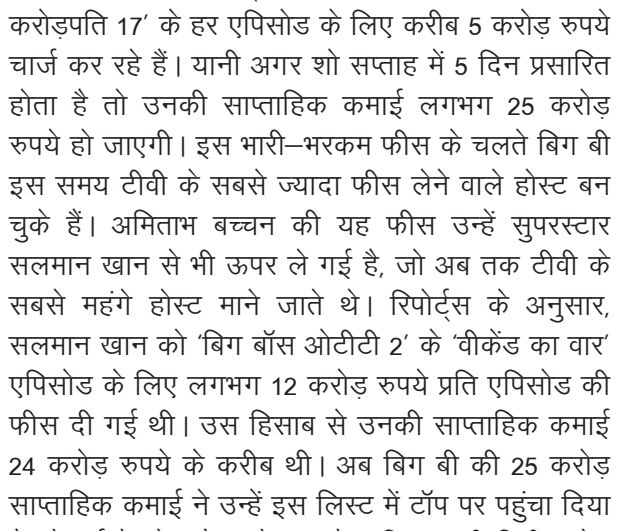

सुपरस्टार को पछाड़ अमिताभ बच्चन बने टीवी के सबसे महंगे होस्ट, एक एपिसोड़ के लिए चार्ज की इतने करोड़ फीस

महानायक अमिताभ बच्चन ना सिर्फ अपनी दमदार एक्टिंग और बेहतरीन होस्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अब उन्होंने एक नया कीर्तिमान भी स्थापित कर दिया है। इस बार उन्होंने शो 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के एक एपिसोड के लिए जो फीस चार्ज की है, उसने सभी को हैरान कर दिया है। इस मामले में एक्टर ने बॉलीवुड के अन्य सुपरस्टार्स को भी पछाड़ दिया है और टीवी के सबसे महंगे होस्ट बन गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स, अमिताभ बच्चन 'कौन बनेगा करोड़पति 17' के हर एपिसोड के लिए करीब 5 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं। यानी अगर शो सप्ताह में 5 दिन प्रसारित होता है तो उनकी साप्ताहिक कमाई लगभग 25 करोड़ रुपये हो जाएगी। इस भारी–भरकम फीस के चलते बिग बी इस समय टीवी के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले होस्ट बन चुके हैं। अमिताभ बच्चन की यह फीस उन्हें सुपरस्टार सलमान खान से भी ऊपर ले गई है, जो अब तक टीवी के सबसे महंगे होस्ट माने जाते थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान खान को 'बिग बॉस ओटीटी 2' के 'वीकेंड का वार' एपिसोड के लिए लगभग 12 करोड़ रुपये प्रति एपिसोड की फीस दी गई थी। उस हिसाब से उनकी साप्ताहिक कमाई 24 करोड़ रुपये के करीब थी। अब बिग बी की 25 करोड़ साप्ताहिक कमाई ने उन्हें इस लिस्ट में टॉप पर पहुंचा दिया है। मेकर्स ने शो 'कौन बनेगा करोड़पति 17' की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'कौन बनेगा करोड़पति 17' का प्रसारण 11 अगस्त 2025 से शुरू होगा। इधर सलमान खान का चर्चित शो 'बिग बॉस 19' भी जल्द शुरू होने वाला है। यह शो अगस्त के आखिरी हफ्ते में ऑन एयर किया जाएगा।

ब्रेन तक खून पहुंचाने वाली नस थी 75 प्रतिशत ब्लॉक...अस्पताल से डिस्चार्ज हुए राकेश रोशन ने बताया उनकी बीमारी कितनी घातक थी ?

फिल्म निर्माता राकेश रोशन ने मंगलवार को पोस्ट किया कि उन्हें पता चला कि मस्तिष्क से जुड़ी उनकी दोनों कैरोटिड धमनियाँ ''75 प्रतिशत से ज़्यादा ब्लॉक'' हो गई हैं, जिसके बाद वे निवारक प्रक्रियाएँ करवाने के लिए अस्पताल गए थे। 75 वर्षीय अभिनेता–फिल्म निर्माता ने अस्पताल से एक तस्वीर के साथ स्वास्थ्य संबंधी जानकारी साझा करते हुए कहा कि अब वे घर वापस आ गए हैं और पूरी तरह से ठीक हो गए हैं। रोशन ने इंस्टाग्राम पर कहा, ष्यह हफ़्ता वाकई चौंकाने वाला रहा, नियमित पूरे शरीर की स्वास्थ्य जाँच के दौरान, हृदय की सोनोग्राफी कर रहे डॉक्टर ने मुझे गर्दन की भी सोनोग्राफी करवाने का सुझाव दिया। संयोग से हमें पता चला कि हालाँकि लक्षण नहीं थे, फिर भी मस्तिष्क से जुड़ी मेरी दोनों कैरोटिड धमनियाँ 75 प्रतिशत से ज़्यादा ब्लॉक थीं।

राकेश रोशन ने हाल ही में अस्पताल में भर्ती होने के बारे में खुलकर बात की

राकेश ने लिखा कि कैसे एक नियमित जाँच के दौरान उन्हें पता चला कि मस्तिष्क तक जाने वाली कैरोटिड धमनियाँ 75प्रतिशत से ज़्यादा ब्लॉक हो गई थीं। उन्होंने लिखा, यह हफ़्ता वाकई चौंकाने वाला रहा। पूरे शरीर की नियमित जाँच के दौरान, हृदय की सोनोग्राफी करने वाले डॉक्टर ने मुझे गर्दन की भी सोनोग्राफी करवाने का सुझाव दिया। संयोग से, हमें पता चला कि हालाँकि लक्षण नहीं थे, फिर भी मस्तिष्क तक जाने वाली मेरी दोनों कैरोटिड धमनियाँ 75प्रतिशत से ज़्यादा ब्लॉक थीं। अगर इसे नज़रअंदाज़ किया जाए, तो यह ख़तरनाक हो सकता है।

स्वास्थ्य जांच करवाने के महत्व पर राकेश

राकेश ने अपनी बात समाप्त की और कहा कि हृदय सीटी स्कैन और कैरोटिड ब्रेन आर्टरी सोनोग्राफी (जिसे अक्सर पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है) 45–50 साल से ज़्यादा उम्र के सभी लोगों के लिए ज़रूरी है। मुझे लगता है कि यह याद रखना ज़रूरी है कि रोकथाम हमेशा इलाज से बेहतर होती है। मैं आप सभी के लिए एक स्वस्थ और जागरूक वर्ष की कामना करता हूँ। ऋतिक रोशन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह पोस्ट शेयर की। ऋतिक की पोस्ट उनके पिता की पोस्ट से ज़्यादा लोगों तक पहुँची। बॉलीवुड संगीतकार विशाल ददलानी ने लिखा ष्खुशी है कि समय रहते इसका पता चल गया और खुशी है कि आप ठीक हो रहे हैं, राकेश रोशन सर। आपकी फिटनेस यात्रा और स्वास्थ्य के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है!ष बॉलीवुड संगीतकार विशाल ददलानी ने लिखा। राकेश रोशन ने हाल ही में एक वर्कआउट वीडियो से अपने फॉलोअर्स को चौंका दिया। 75 वर्षीय कैंसर सर्वाइवर ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक रील पोस्ट की जिसमें वे हैवी वेट ट्रेनिंग, बॉक्सिंग वगैरह करते हुए नज़र आ रहे हैं। यह वीडियो 40 लाख से ज़्यादा बार देखा गया और वायरल हो गया।

बच्चे के बाल अभी से होने लगे हैं सफेद, तो जान लें इसके पीछे की वजह

छोटे बच्चों में सफेद बाल होना एक आम समस्या बनती जा रही है। इसका कारण पोषण की कमी, हार्मोनल असंतुलन, और तनाव प्रमुख हैं। सफेद हुए बालों को प्राकृतिक रूप से काला करना तो संभव नहीं है, पर पोषक तत्वों की कमी को पूरा कर इस समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है। चलिए जानते हैं बच्चों के सफेद बाद होने के कारण, उपचार और किस उम्र में सफेद बाल ज्यादा आते हैं।

छोटे बच्चों में सफेद बाल के कारण

विटामिन और मिनरल की कमीः विटामिन बी12 की कमी यह बालों के सफेद होने का एक प्रमुख कारण हो सकता है। फोलिक एसिड, विटामिन डी3 और आयरन की कमीये तत्व भी बालों की पिगमेंटेशन के लिए आवश्यक होते हैं।

अनुवांशिक कारण अगर परिवार में पहले से किसी को कम उम्र में सफेद बाल हुए हैं, तो बच्चों में भी यह समस्या हो सकती है। थायरॉइड की समस्याएं भी बालों के सफेद होने का कारण बन सकती हैं।

ऑटोइम्यून डिसऑर्डरः कुछ ऑटोइम्यून डिसऑर्डर जैसे एलोपेसिया एरिएटा, विटिलिगो भी सफेद बाल का कारण हो सकते हैं। अत्यधिक मानसिक तनाव और चिंता भी बालों की पिगमेंटेशन को प्रभावित कर सकते हैं। जंक फूड का अधिक सेवन भी बालों के सफेद होने का कारण हो सकता है।

सफेद बाल का ईलाजः

– विटामिन और मिनरल युक्त आहार का सेवन करें। हरी पत्तेदार सब्जियाँ, फल, दूध, दही, और नट्स बच्चे की डाइट में शामिल करें।

– डॉक्टर की सलाह से विटामिन बी12, फोलिक एसिड, और अन्य आवश्यक सप्लिमेंट्स दें।

– योग, मेडिटेशन और नियमित व्यायाम से तनाव को कम करें।

– आंवला, ब्राह्मी, भृंगराज आदि जड़ी–बूटियां बालों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती हैं।

– आंवले के तेल और नारियल तेल का नियमित उपयोग करें।

– अगर समस्या गंभीर है, तो त्वचा विशेषज्ञ या ट्राइकोलॉजिस्ट से परामर्श लें। वे सही निदान और उपचार बता सकते हैं।

किस उम्र में ज्यादा आते हैं सफेद बाल

– सफेद बाल आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ आते हैं, लेकिन कुछ मामलों में बच्चे और किशोर भी इससे प्रभावित हो सकते हैं।– अगर सफेद बाल किशोर अवस्था (12–18 वर्ष) में आने लगते हैं, तो यह चिंता का विषय हो सकता है और इसकी जांच कराना आवश्यक होता है।

कहीं आप भी तो नहीं कर रहे नकली केसर का इस्तेमाल, ऐसे करें असली-नकली में फर्क

केसर का इस्तेमाल लगभग हर घर में किया जाता है। हालांकि केसर बहुत महंगा आता है। भले ही इसकी कीमत कितनी भी ज्यादा क्यों न हो, लेकिन हर घर में इसका इस्तेमाल किया जाता है। मिठाइयों की रंगत बढ़ाने से लेकर स्वाद को इन्हेंस करने तक के लिए केसर का उपयोग होता है। वहीं यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी फायदेमंद मानी जाती है। बता दें कि कश्मीर में केसर खूब बिकती है। लेकिन केसर खरीदने से पहले यह जरूर जांच लेना चाहिए कि आप जिस केसर को खरीद रहे हैं, या उपयोग में लाने जा रहे हैं, वह असली है भी या नहीं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि असली और नकली केसर की पहचान किस तरह से करनी चाहिए।

पानी से करें चेक

केसर असली है या नकली इसकी पहचान करने के लिए आप पानी में केसर को डालकर इसे चेक कर सकते हैं। इसके लिए थोड़े से पानी में केसर का एक रेशा डालकर देखें। अगर केसर का धागा फौरन अपना रंग छोड़ देता है, तो यह नकली है। क्योंकि असली केसर को पानी के रंग में आने के लिए थोड़ा समय लगता है।

टेस्ट कर के देखें

आप टेस्ट करके भी देख सकते हैं कि केसर असली है या नकली। केसर के एक रेशे को जीभ पर रखें। अगर केसर असली होगा, तो आपको 15–20 मिनट के अंदर गर्मी लगेगी। वहीं नकली केसर खाने से कुछ भी महसूस नहीं होता है। वहीं अगर जीभ पर रखते ही केसर का रेशा तुरंत रंग छोड़ दें, या इसका स्वाद मीठा लगे। तो समझ लें कि यह केसर नकली है।

दबाकर देखें

इसके अलावा आप केसर का दबाकर भी चेक कर सकते हैं कि यह असली है या नकली। अगर केसर का रेशा दबाने पर टूट जाए तो समझें कि यह असली है। वहीं अगर यह नहीं टूटती है तो यह नकली है। क्योंकि असली केसर काफी मुलायम है। इसलिए यह हाथ में लेते ही टूट जाता है।

दूध में भिगोकर करें टेस्ट

वहीं आप दूध में केसर का रेशा डालकर चेक कर सकते हैं। इसके लिए गुनगुने दूध में केसर को डालें। यदि यह दूध में पूरी तरह से घुल जाता है, तो यह असली है। क्योंकि नकली केसर दूध में नहीं घुलता है। नकली केसर के रेशे पानी में रह जाते हैं।

गर्मियों में रोजाना इन सुपरफूड्स का करें सेवन, रहेंगे हमेशा फ्रेश और कूल

गर्मियों में उपचारविधि में आहार का महत्व अत्यधिक है। गर्मियों में ठंडक महसूस कराने वाले और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी खाद्य पदार्थों की अच्छी व्यवस्था न केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखती है, बल्कि वे हमें ऊर्जा प्रदान करते हैं और त्वचा की देखभाल में भी मदद करते हैं। इन आहारों को अपने दैनिक जीवन में शामिल करके हम गर्मियों के दौरान स्वस्थ और फ्रेश रह सकते हैं।

1. तरबूज

यह रसीला फल हाइड्रेटिंग होता है और विटामिन ए और सी के साथ–साथ लाइकोपीन जैसे एंटीऑक्सिडेंट्स भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो आपकी त्वचा को सूरज के नुकसान से बचाने में मदद कर सकते हैं।

2. खीरा

यह लगभग 95ः पानी से बना होता है और हाइड्रेटिंग और कैलोरी में कम होता है। इसमें विटामिन के और सी के साथ–साथ सिलिका भी होती है, जो हाइड्रेशन और स्वस्थ त्वचा को बढ़ावा देती है।

3. बेरीज

स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, रस्पबेरी और ब्लैकबेरी में एंटीऑक्सिडेंट्स, फाइबर और विटामिन भरपूर मात्रा में होते हैं। ये ताजगी देते हैं और सलाद और मिठाइयों में भी जोड़े जा सकते हैं।

4. पत्तेदार सब्जियाँ

लेट्यूस, स्पिनेच, और केल जैसे सब्जियाँ जल की मात्रा में होती हैं और विटामिन ए, सी और के के साथ–साथ पोटैशियम जैसे खनिज भी प्रदान करती हैं।

5. सीताफल

संतरा, नींबू, नीबू, और चकोतरा ताजगी देते हैं और विटामिन सी में समृद्ध होते हैं, जो आपके प्रतिरक्षा प्रणाली को समर्थन देता है और स्वस्थ त्वचा को बढ़ावा देता है।

6. पुदीना

पानी, सलाद या मिठाइयों में ताजगी के लिए ताजा पुदीने के पत्ते जोड़ना शीतलता का अनुभव कराता है। पुदीना पाचन को सहायक बनाता है और पाचन समस्याओं या मतली को शांत करने में मदद कर सकता है।

7. नारियल पानी

यह प्राकृतिक हाइड्रेटर होता है और पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स में समृद्ध होता है, जो पसीने से खो गए तरलता को पुनर्स्थापित करने के लिए उत्तम विकल्प होता है। इन खाद्य पदार्थों को अपने गर्मियों के आहार में शामिल करने से न केवल आप शीतल और ताजगी महसूस करेंगे, बल्कि सुनहरे महीनों में अपने स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए विभिन्न पोषक तत्वों की विविधता भी प्राप्त करेंगे।

आहार विशेषज्ञों से जानें गट हेल्थ के लिए सबसे बेस्ट टी, पाचन को दुरुस्त करता है

स्वस्थ आंत होने से न केवल पाचन और पोषक तत्वों के अवशोषण में सहायता मिलती है, बल्कि यह आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली, मस्तिष्क, त्वचा, हृदय और अन्य सहित शरीर के असंख्य अन्य हिस्सों का भी समर्थन करती है। चूंकि हाल के वर्षों में व्यापक स्वास्थ्य लाभ सामने आए हैं, बहुत से लोग हमारे माइक्रोबायोम की भलाई को बढ़ावा देने में रुचि रखते हैं। लेकिन आप जो सोच सकते हैं उसके विपरीत, आपको स्वस्थ आंत का समर्थन करने के लिए महंगे पूरक लेने की ज़रूरत नहीं है। वास्तव में, आपके पास पहले से मौजूद कुछ पेय बड़ा अंतर ला सकते हैं।

सूजन को कम करने से लेकर मतली से राहत देने तक, कुछ चायें आंत के अनुकूल पावरहाउस के रूप में सामने आती हैं। इस लेख में, हम पेट के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छी टी के बारे में चर्चा करेंगे, जो पंजीकृत आहार विशेषज्ञों की विशेषज्ञता द्वारा निर्देशित होगी, ताकि आपको स्वस्थ पाचन तंत्र प्राप्त करने में मदद मिल सके। चाय के शौकीन नहीं? चिंता न करें, हम आपके पेट के स्वास्थ्य का समर्थन करने के अन्य तरीकों की भी समीक्षा करेंगे और उन्हें अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करने के बारे में सुझाव देंगे।

आंत के स्वास्थ्य के लिए अदरक की टी के फायदे

जबकि कई चाय हैं जो पेट के स्वास्थ्य के लिए लाभ प्रदान करती हैं – जिनमें पुदीना, कैमोमाइल और सौंफ शामिल हैं – अदरक की चाय सर्वश्रेष्ठ में से एक है। अदरक के पौधे की जड़ से बना यह एक लोकप्रिय प्राकृतिक उपचार है जिसका उपयोग कई स्वास्थ्य बीमारियों के लिए किया जाता है। सूजन–रोधी, एंटीऑक्सीडेंट और पाचन–सहायता गुणों का इसका अनूठा संयोजन इसे विभिन्न पाचन समस्याओं को शांत करने में असाधारण रूप से प्रभावी बनाता है।

मतली को कम कर सकता है

आहार विशेषज्ञ क्रिस्टल ओरोज़्को, आरडी, कहते हैं, ष्अदरक की चाय तब बहुत अच्छी होती है जब आपको पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं, विशेष रूप से बार–बार पेट दर्द, सूजन और मतली होती है।ष यह आंत में सेरोटोनिन रिसेप्टर्स को अवरुद्ध करके मतली से राहत देने में मदद करता है जो उल्टी प्रतिक्रिया को ट्रिगर करते हैं। अदरक में मौजूद प्राकृतिक यौगिक, जैसे जिंजरोल्स, मतली को कम करने का काम करते हैं, जो आपको बेहतर महसूस करने में भी मदद कर सकता है। ओरोज़्को का कहना है, "एक आहार विशेषज्ञ के रूप में जो हमेशा पेट की समस्याओं से जूझता रहा है, अदरक की चाय मेरे पसंदीदा उपचारों में से एक है। मैं हमेशा पेट दर्द और परेशानी को कम करने के लिए नींबू और शहद के साथ सुखदायक अदरक की चाय पीने की सलाह देता हूं।श्श

अपच से राहत दिलाने में मदद करता है

अदरक को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्वास्थ्य पर इसके चिकित्सीय प्रभावों के लिए पहचाना गया है, विशेष रूप से गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स रोग (जीईआरडी) और अपच जैसी स्थितियों के प्रबंधन के लिए। शोध से पता चला है कि अदरक पेट में एसिड के उत्पादन को कम करने में मदद कर सकता है, जो जीईआरडी के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।1 इसके अलावा, अदरक की गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल मांसपेशियों को आराम देने की क्षमता भी अपच से जुड़ी ऐंठन, सूजन और परेशानी को कम कर सकती है।

कब्ज के खतरे को कम करता है

अदरक को गैस्ट्रिक खाली करने में तेजी लाने के लिए दिखाया गया है, जो पेट से छोटी आंत तक भोजन की गति है। इस प्रक्रिया को तेज करके, अदरक पेट में भोजन के खर्च होने के समय को कम करने में मदद कर सकता है। इससे कब्ज के जोखिम के साथ–साथ मतली और सीने में जलन जैसी अन्य पाचन संबंधी परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है।

आपके पेट के स्वास्थ्य को समर्थन देने के अन्य तरीके

संतुलित आहार लें

स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम का समर्थन करने वाले फाइबर प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों, साबुत अनाज और दुबले प्रोटीन को शामिल करें। फाइबर नियमित मल त्याग, लाभकारी आंत बैक्टीरिया को पोषण देने और पाचन तंत्र में रोगाणुओं के स्वस्थ संतुलन को बनाए रखने में मदद करने के लिए आवश्यक है।

हाइड्रेटेड रहें

भरपूर पानी पीने से पाचन में सहायता मिलती है और आपके पेट में अच्छे बैक्टीरिया का संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। पानी मल को नरम करने में भी मदद कर सकता है, जिससे मलत्याग आसान हो जाता है। हाइड्रेटेड रहने से आंतों की म्यूकोसल परत को भी समर्थन मिलता है, जो पोषक तत्वों के अवशोषण में सहायता करता है।

प्रोबायोटिक्स और प्रीबायोटिक्स शामिल करें

दही, केफिर, सॉकरौट और अन्य किण्वित खाद्य पदार्थों जैसे खाद्य पदार्थों में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जबकि लहसुन, प्याज और केले प्रीबायोटिक्स के अच्छे स्रोत हैं। साथ में, वे एक विविध और संपन्न आंत माइक्रोबायोम का समर्थन करते हैं।

तनाव को प्रबंधित करें

जीवन में कुछ तनाव अपरिहार्य है, लेकिन लगातार उच्च तनाव का स्तर आपके पेट के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। समय के साथ, यह पुरानी सूजन को बढ़ा सकता है जो आंत में बैक्टीरिया के संतुलन को बाधित कर सकता है, आंत की पारगम्यता को बढ़ा सकता है और पाचन क्रिया को बदल सकता है। कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन आंत की गतिशीलता और आंत की परत की अखंडता को प्रभावित कर सकते हैं। माइंडफुलनेस, ध्यान और नियमित शारीरिक गतिविधि जैसे अभ्यास तनाव को कम करने और स्वस्थ आंत का समर्थन करने में मदद कर सकते हैं।

संक्षिप्त

मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 13 अंक टूटा, निफ्टी 25100 से नीचे आया

नई दिल्ली। मंगलवार को अस्थिर कारोबार के दौरान बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगभग अपरिवर्तित बंद हुए। क्विक कॉमर्स और निजी बैंकिंग शेयरों में बढ़त की भरपाई तेल एवं गैस और आईटी शेयरों में गिरावट से हो गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 13.53 अंक या 0.02 प्रतिशत गिरकर 82,186.81 अंक पर बंद हुआ। कारोबार में यह 337.83 अंक या 0.41 प्रतिशत चढ़कर 82,538.17 पर पहुँचा था, लेकिन बाद में इसकी गति धीमी पड़ गई। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 29.80 अंक या 0.12 प्रतिशत गिरकर 25,060.90 पर बंद हुआ।

व्यापार समझौते पर स्पष्टता की कमी ने डाला असर

विशेषज्ञों ने कहा कि एक अगस्त की समयसीमा से पहले अमेरिका–भारत व्यापार समझौते पर स्पष्टता की कमी और एफआईआई द्वारा मुनाफावसूली से बाजार की धारणा प्रभावित हुई।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में, नतीजों के बाद आई तेजी में इटरनल के शेयर में सबसे ज्यादा 10.56 प्रतिशत की उछाल आई। जोमैटो और ब्लिंकिट ब्रांड की मालिक, फूड डिलीवरी और फास्ट–कॉमर्स कंपनी इटरनल ने सोमवार को जून तिमाही के लिए 25 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया। टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा भी लाभ में रहे। हालांकि, टाटा मोटर्स, अडानी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज पिछड़ने वालों में शामिल रहे।

यूरोपीय बाजारों में हुई गिरावट

एशियाई बाजारों में शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार ज्यादातर गिरावट के साथ बंद हुए। सोमवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 68.54 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.97 प्रतिशत गिरकर 68.54 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,681.23 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,578.43 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 442.61 अंक या 0.54 प्रतिशत चढ़कर 82,200.34 पर बंद हुआ। निफ्टी 122.30 अंक या 0.49 प्रतिशत बढ़कर 25,090.70 पर बंद हुआ।

व्यापार और नवाचार को मिली नई दिशा, वाणिज्य मंत्रालय की पहलों से स्टार्टअप और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने पिछले सप्ताह भारत के व्यापार तंत्र को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की हैं। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जमीनी स्तर के उद्यमिता प्रयासों की सराहना करते हुए पोस्ट किया।

तीन श्रेणियों में दिए जाएंगे 34 पुरस्कार

मंत्रालय ने एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पुरस्कार की मेजबानी की। इसमें तीन श्रेणियों में 34 पुरस्कार दिए गए।

ओडीओपी का उद्देश्य संतुलित क्षेत्रीय विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। सरकार ने स्थानीय उत्पादकों को समर्थन देने और उन्हें वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत के वैश्विक व्यापार को बढ़ाने के लिए 61 देशों के प्रमुखों से की मुलाकात

भारत के वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के रणनीतिक कदम के तहत, मंत्री गोयल ने 61 देशों में 74 भारतीय मिशनों के वाणिज्यिक विंग के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। इस चर्चा में भारत की वैश्विक व्यापार रणनीति को और बेहतर बनाने और चार प्रमुख संकेतकों (केपीआई) पर जोर देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें निवेश, व्यपार, पर्यटन और प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

स्टार्टअप पुरस्कारों का पांचवां संस्करण

नवाचार को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कारों के पांचवें संस्करण के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। कृषि, स्वच्छ ऊर्जा, फिनटेक, एयरोस्पेस, स्वास्थ्य, शिक्षा, साइबर सुरक्षा और सुगम्यता सहित विविध क्षेत्रों के स्टार्टअप्स को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

उद्योग जगत के नेताओं के साथ विचार–विमर्श

इसके अलावा, मंत्री गोयल ने 10वीं राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद की बैठक की अध्यक्षता की और उद्योग जगत के नेताओं, संस्थापकों और नीति निर्माताओं के साथ विचार–विमर्श किया। उन्होंने भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए नवाचार, अनुसंधान एवं विकास और सहयोग को महत्वपूर्ण बताया।

'घायल' टीम इंडिया के सामने संयोजन बना चुनौती, नीतीश की जगह कौन लेगा? पंत पर भी नजर

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में 1–2 से पीछे चल रही भारतीय टीम बुधवार से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि वह खिलाड़ियों की चोट से जूझ रही है। दरअसल, अर्शदीप सिंह, आकाश दीप, ऋषभ पंत और नीतीश रेड्डी चोटिल हैं। नीतीश तो पूरी सीरीज से ही बाहर हो गए हैं, जबकि अर्शदीप चौथे मैच में नहीं खेल सकेंगे।

सीरीज बचाने के लिए हर हाल में चाहिए जीत

इंग्लैंड ने लीड्स में खेले गए सीरीज के पहले मैच में जीत हासिल की थी, जबकि भारत ने दूसरे टेस्ट मैच को जीतकर सीरीज 1–1 से बराबर कर दी थी। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारत ने दबदबा बनाया था, लेकिन पांचवें आसान सा लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी थी। इस हार के चलते भारत सीरीज में पिछड़ गया। अब उसे सीरीज में बने रहने के लिए चौथा मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। भारत के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन खिलाड़ियों की चोट से उसकी मुश्किलें काफी बढ़ गई है।

फिट दिख रहे हैं पंत

भारत के लिए मैच से पहले सबसे बड़ी चिंता आकाश दीप और ऋषभ पंत हैं। यह दोनों खिलाड़ी चोट से जूझ रहे हैं। ऐसी भी चर्चा है कि पंत चौथे टेस्ट में पूर्णकालिक बल्लेबाज के तौर पर उतरें और उनकी जगह ध्रुव जुरेल विकेटकीपर के तौर पर उतरें। लेकिन मैच से पहले भारत के अभ्यास सत्र को देखकर लगता है कि ऋषभ पंत अपनी अंगुली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और हमेशा की तरह अपनी दोहरी जिम्मेदारी निभाएंगे। दूसरी ओर, चोट के कारण आकाश के खेलने पर भी संदेह है।

कंबोज करेंगे डेब्यू या कृष्णा को मिलेगा मौका?

नए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है। आकाश दीप की तरह, कंबोज भी अच्छी सीम मूवमेंट पैदा कर सकते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां की परिस्थितियों से कुछ हद तक वाकिफ हैं। हालांकि, टीम प्रबंधन इस विकल्प पर तभी आगे बढ़ेगा जब आकाश चयन के लिए उपलब्ध ना हों।

मैच से पहले अभ्यास सत्र में आकाश ने गेंदबाजी की थी, लेकिन वह संतुष्ट नजर नहीं आए थे। यहां तक कि फिजियो ने भी उनके गेंदबाजी नहीं करने के लिए कहा था।

बुमराह का खेलना लगभग तय

खिलाड़ियों की चोट के बीच भारत के लिए राहत की बात यह है कि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का चौथे टेस्ट में खेलना लगभग तय है। खुद मोहम्मद सिराज ने सोमवार को इसकी पुष्टि कर दी थी। भारत चौथे टेस्ट में भी तीन विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के साथ उतर सकता है जिसमें बुमराह और सिराज के अलावा आकाश, प्रसिद्ध और कंबोज में से कोई एक गेंदबाज शामिल होगा। कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव भी इस मैच में जगह बनाने के दावेदार हैं, लेकिन यह देखना होगा कि वाशिंगटन और रवींद्र जडेजा के साथ टीम प्रबंधन कुलदीप को लेगा या नहीं।

नीतीश की जगह किसे मिलेगा मौका?

सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले शार्दुल ठाकुर को रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है लेकिन उनका बल्लेबाजी में उतना अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है। अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाजी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में महत्वपूर्ण अवसरों पर विकेट लिए थे। लॉर्ड्स में सीरीज में पहली बार भारतीय बल्लेबाज नहीं चल पाए थे और और अगर भारत को सीरीज में वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन गिल की अगुआई वाली बल्लेबाजी लाइन–अप को फिर से अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

चौथे टेस्ट मैच के लिए भारत की संभावित प्लेइंग–11: यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर/ कुलदीप यादव, आकाश दीप/प्रसिद्ध कृष्णा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड की घोषित प्लेइंग–11: जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप (उपकप्तान), जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), लियाम डॉवसन, क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

रवि शास्त्री को भरोसा, सुंदर के पास भविष्य में बेहतरीन ऑलराउंडर बनने की क्षमता; वाशिंगटन को सराहा

दुबई। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने वाशिंगटन सुंदर की सराहना की है और कहा कि भविष्य में वह भारत के बेहतरीन ऑलराउंडर बन सकते हैं। शास्त्री का कहना है कि सुंदर घरेलू परिस्थितियों में गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन करने के साथ नैसर्गिक रूप से प्रतिभाशाली बल्लेबाज भी है। शास्त्री ने सुंदर के धैर्य, तकनीकी कौशल और बहुमुखी प्रतिभा की प्रशंसा की और खेल के सबसे लंबे प्रारूप में उनके सफल होने की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2021 में ब्रिसबेन में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले 25 वर्षीय ऑफ स्पिनर वाशिंगटन को उसके बाद इस प्रारूप में बहुत अधिक मौके नहीं मिले हैं। उन्होंने अब तक 11 टेस्ट मैच में 545 रन बनाए हैं और 30 विकेट लिए हैं। शास्त्री का मानना है कि वाशिंगटन को विशेषकर भारत की टर्निंग पिचों पर लाल गेंद से अधिक मैच खेलने चाहिए थे। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, मुझे शुरू से ही वाशिंगटन का खेल पसंद रहा है। जब मैंने उसे पहली बार देखा तो मैंने कहा था कि वह कमाल का खिलाड़ी है और उसमें कई वर्षों तक भारत का सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर बनने की क्षमता है। वह अभी सिर्फ 25 साल का है। मुझे लगता है कि उसे और ज्यादा टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए था। भारत में जहां गेंद टर्न ले रही हो, वहां वह घातक साबित हो सकता है, जैसा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसने प्रदर्शन किया था। उसने कुछ सीनियर स्पिनरों से बेहतर प्रदर्शन किया था और इसके साथ ही वह अच्छा बल्लेबाज भी है।

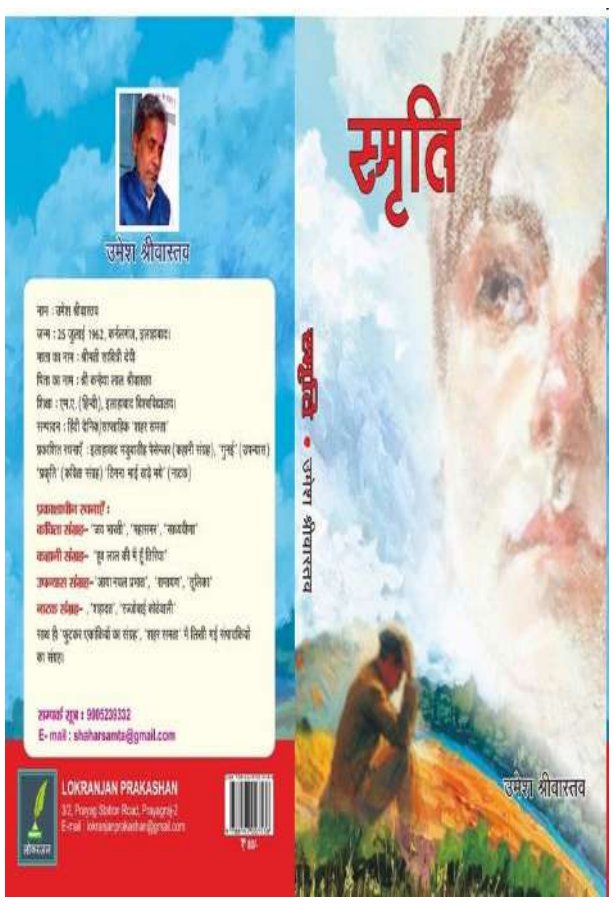

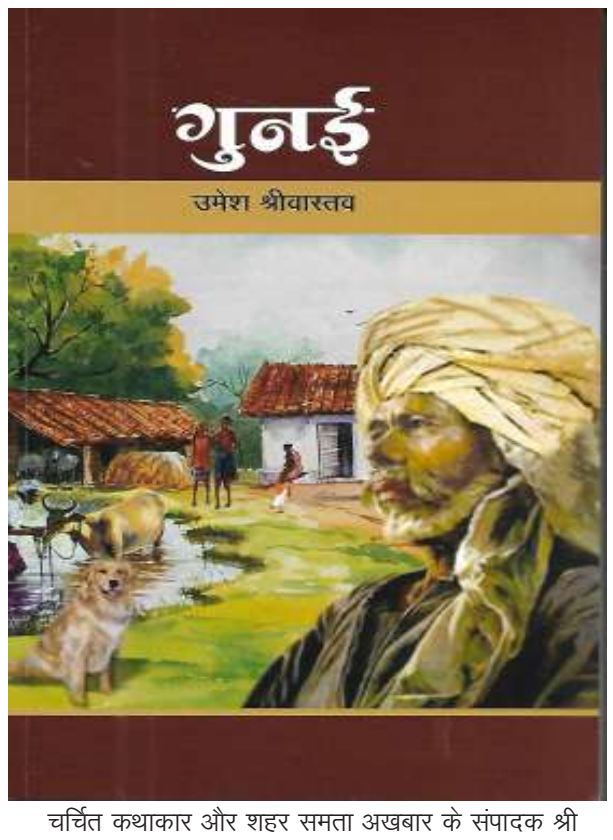

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

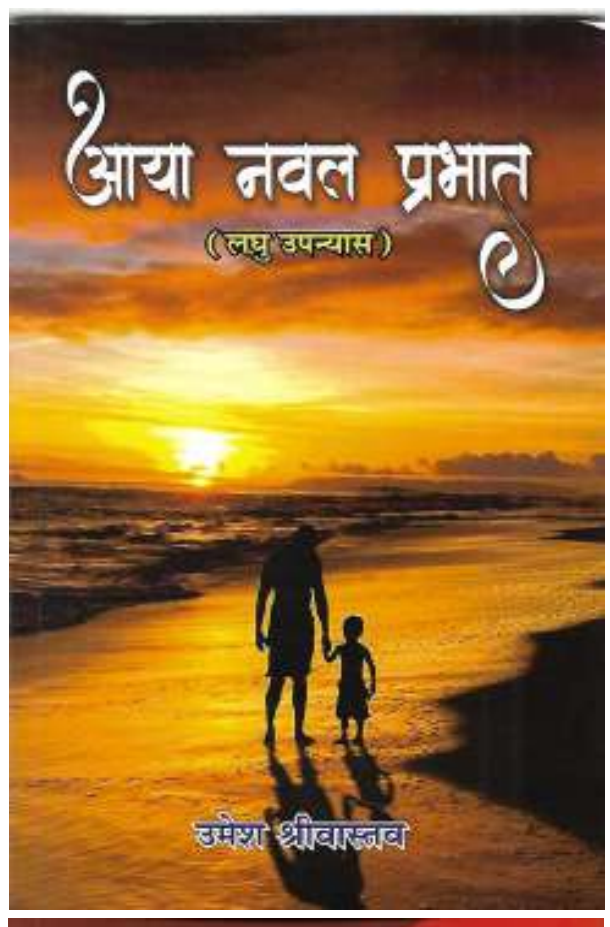

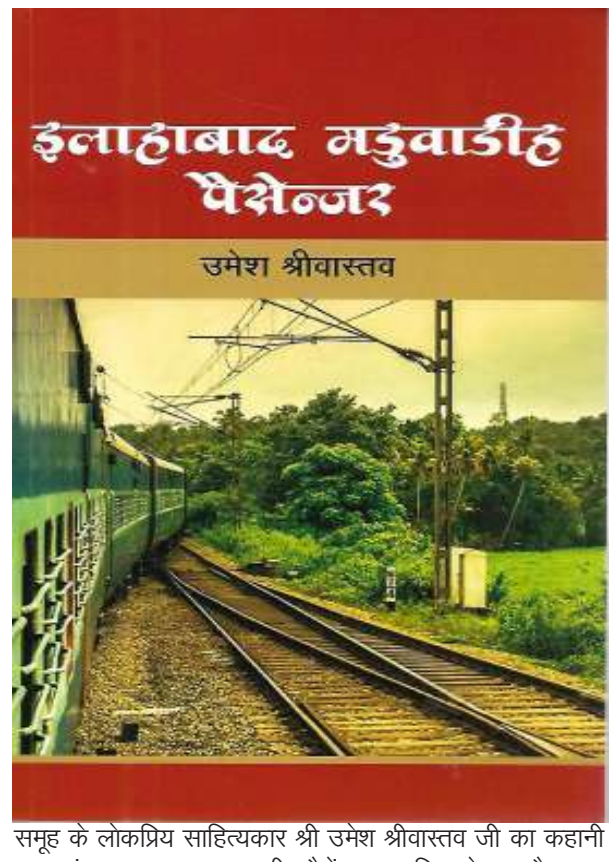

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

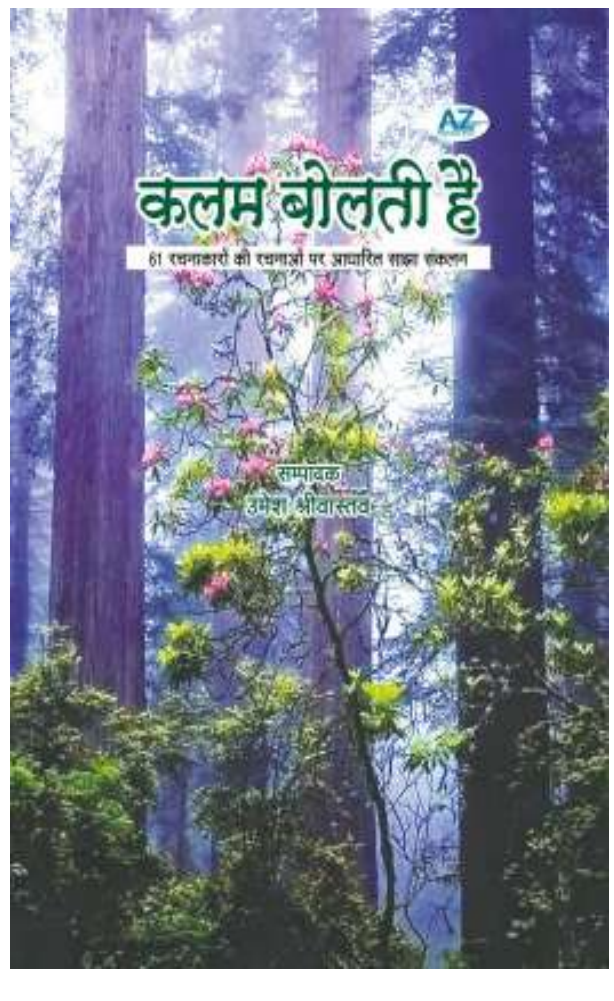

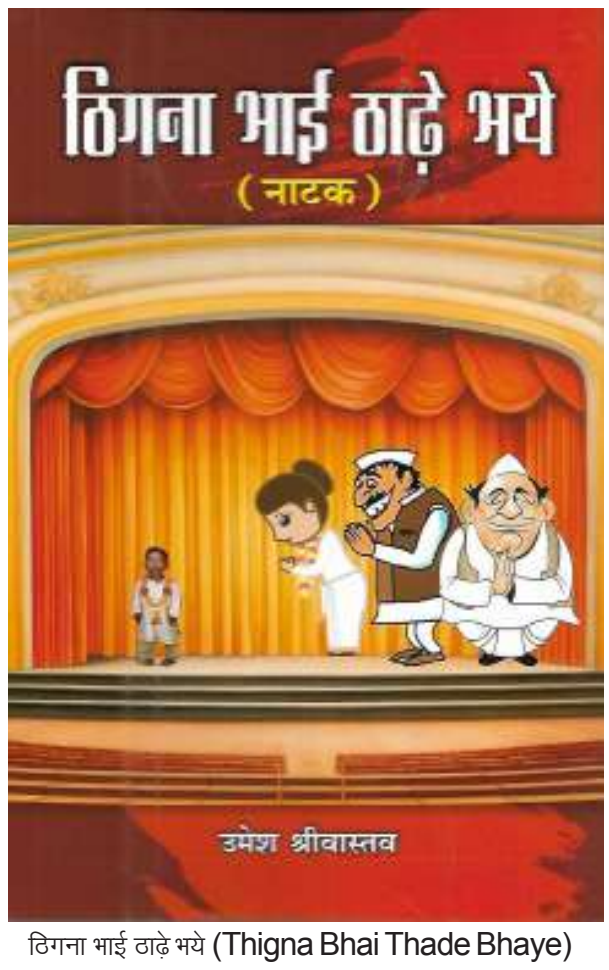

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

निमिषा प्रिया की मौत की सजा हो गई रद्द! यमन की जेल से किया जाएगा रिहा

ग्लोबल पीस इनिशिएटिव के संस्थापक और प्रचारक डॉ. के. ए. पॉल ने यमन के सना से एक वीडियो संदेश में दावा किया कि यमन और भारतीय नेताओं के कई दिनों और रातों के व्यापक प्रयासों के बाद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा रद्द कर दी गई है। डॉ. पॉल ने अपने वीडियो संदेश में यमन के नेताओं को उनके ष्शक्तिशाली और प्रार्थनापूर्ण प्रयासोंष् के लिए धन्यवाद दिया। यह उल्लेख करते हुए कि नेताओं ने पिछले दस दिनों से दिन–रात अथक प्रयास किए हैं, डॉ. पॉल ने कहा कि मैं उन सभी नेताओं को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने निमिषा प्रिया की मृत्यु को रद्द करने की इस बड़ी सफलता में योगदान दिया है। ईश्वर की कृपा से, उसे रिहा कर दिया जाएगा और भारत ले जाया जाएगा। मैं प्रधानमंत्री मोदी जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने अपने राजनयिकों को भेजने की तैयारी की... और निमिषा को पेशेवर रूप से और सुरक्षित रूप से ले जाने की तैयारी की। उन्होंने यह भी कहा कि वे सना जेल से ओमान, जेद्दा, मिस्र, ईरान या तुर्की तक उसकी सुरक्षित वापसी के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर रसद व्यवस्था कर सकते हैं। पिछले हफ़्ते, अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान, विदेश मंत्रालय (डम्।) ने कहा था कि वह यमन में स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है और सना में मौत की सज़ा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के मामले में ष्हर संभव सहायताष् प्रदान कर रहा है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि विदेश मंत्रालय ने यमन में जटिल कानूनी प्रक्रिया से निपटने में प्रिया के परिवार की सहायता के लिए एक वकील नियुक्त किया है। इसमें शरिया कानून के तहत क्षमादान या माफ़ी के विकल्प तलाशना भी शामिल है। यह एक बेहद संवेदनशील मामला है और भारत सरकार इस मामले में हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। हमने कानूनी सहायता प्रदान की है और परिवार की सहायता के लिए एक वकील भी नियुक्त किया है। हमने उनके परिवार के लिए नियमित रूप से कांसुलर मुलाक़ातों की व्यवस्था भी की है और हम इस मुद्दे को सुलझाने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ–साथ परिवार के सदस्यों के संपर्क में भी हैं। इसमें हाल के दिनों में सुश्री निमिषा प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ आपसी सहमति से समाधान निकालने के लिए और समय देने के लिए किए गए ठोस प्रयास भी शामिल हैं। जायसवाल ने कहा, ष्यमन में स्थानीय अधिकारियों ने 16 जुलाई को होने वाली उनकी सज़ा की तामील को स्थगित कर दिया है।

संक्षिप्त

पाकिस्तान के सीनेट चुनाव में इमरान खान की पार्टी को छह सीटें

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (च्ज्) ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सीनेट सीटों के लिए कराए गए चुनाव में 11 में से 6 सीटें जीती हैं। विपक्षी दलों को 5 सीटें मिलीं। चुनाव में 145 सदस्यों ने मतदान किया। सात सामान्य सीटों में से PTI ने चार पर जीत दर्ज की, जबकि तीन विपक्ष के हिस्से गईं। महिला सीटों पर च्ज् की रुबिना नाज़ और PPP की रुबिना खालिद विजयी रहीं। तकनीकी सीटों में PTI के आज़म स्वाती और JUI के दिलावर खान ने जीत हासिल की। आधिकारिक नतीजे कुछ दिनों में चुनाव आयोग द्वारा घोषित किए जाएंगे।

अमेरिका में 'कॉस्बी शो' के अभिनेता मैल्कम–जमाल वार्नर का निधन

''द कॉस्बी शो'' में किशोर बेटे थियो हक्सटेबल की भूमिका निभाकर चर्चित हुए अमेरिकी अभिनेता मैल्कम–जमाल वार्नर का 54 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अधिकारियों ने बताया कि कोस्टा रिका में दुर्घटनावश डूबने से वार्नर की मौत हो गई। वार्नर रविवार दोपहर (स्थानीय समय) कोस्टा रिका के कैरिबियन तट पर डूबे। वार्नर लिमोन प्रांत के प्लाया ग्रांडे डे कोकल्स में तैर रहे थे, तभी एक तेज समुद्री लहर की चपेट में आ गए।

सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट 'घासेद' का ईरान ने परीक्षण किया

ईरान ने सोमवार को एक उप–कक्षीय परीक्षण उड़ान के तहत अपने सैटेलाइट ले जाने वाले रॉकेट श्घासेदश का परीक्षण किया। यह परीक्षण जून में ईरान–इज़राइल युद्ध और अमेरिका द्वारा ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमले के बाद पहला ऐसा परीक्षण है। सरकारी समाचार एजेंसी प्च्ह। के अनुसार, यह परीक्षण अंतरिक्ष तकनीक में नई उभरती तकनीकों का मूल्यांकन करने के लिए किया गया था। घासेद रॉकेट ठोस और तरल ईंधन से संचालित होता है और इसे पहली बार 2020 में प्रक्षेपित किया गया था। यह परीक्षण ईरान के अंतरिक्ष कार्यक्रम और उपग्रह क्षमताओं को बेहतर बनाने में सहायक होगा।

ट्रंप प्रशासन ने 2.6 अरब डॉलर के फंड को अवैध रूप से काटा

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अमेरिका की एक संघीय अदालत में अहम मुकदमे की सुनवाई के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नीत प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। हार्वर्ड ने दलील दी कि ट्रंप प्रशासन ने उसके 2.6 अरब डॉलर के फंड को अवैध रूप से काटा गया है। प्रशासन ने हार्वर्ड पर उदारवाद और यहूदी विरोध का अड्डा होने का आरोप लगाया है। हार्वर्ड ने इसका विरोध किया है और फंड कटौती के खिलाफ यह मुकदमा उच्च शिक्षा जगत में ध्यान आकर्षित कर रहा है। विश्वविद्यालय का कहना है कि इससे अनुसंधान, करियर और प्रयोगशालाओं को नुकसान होगा। सरकार ने कहा कि ट्रंप के आदेशों का उल्लंघन होने पर वह फंड रोकने का अधिकार रखती है।

जोहरान ममदानी अमेरिका से युगांडा गए, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

अमेरिका में न्यूयॉर्क सिटी के डेमोक्रेटिक नेता का युगांडा दौरा चर्चा में है। न्यूयॉर्क सिटी में मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी अपनी शादी का जश्न मनाने जन्मस्थान युगांडा गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया और कहा कि यह निजी यात्रा पर इस पूर्वी अफ्रीकी देश में आए हैं और जुलाई के अंत तक न्यूयॉर्क सिटी लौट आएंगे। आगामी नवंबर में होने वाले चुनाव में 33 वर्षीय ममदानी का मुकाबला एंड्रयू कुओमो और मौजूदा मेयर एरिक एडम्स जैसे उम्मीदवारों से है। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर वीडियो में ममदानी ने मजाक में कहा, ऑनलाइन ट्रोल की सलाह मानकर वे अफ्रीका लौट रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कथित तौर पर घृणा करने वाले लोगों से माफी मांगते हुए ये भी कहा कि वे वापस जरूर आएंगे।

बांग्लादेश विमान हादसे में मृतकों का आंकड़ा बढ़ा, 25 बच्चों समेत 27 की मौत

ढाका। बांग्लादेश में विमान हादसे में मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। हादसे में अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 25 बच्चे हैं। वहीं घायलों का अलग–अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। बांग्लादेशी वायुसेना का एक एफ–7 प्रशिक्षण

विमान सोमवार को ढाका के उत्तरा क्षेत्र के दियाबारी इलाके में माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज परिसर में गिर गया था। इसके बाद विमान में आग लग गई थी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के विशेष सलाहकार सईदुर रहमान ने बताया कि अब मृतकों की संख्या 27 हो गई है और उनमें से 25 बच्चे हैं। मृतकों में से कई 12 वर्ष से कम उम्र के थे। अब तक 20 शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। ढाका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी (एनआईबीपीएस) में रहमान ने कहा कि हम चिकित्सा देखभाल उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास जारी रखे हुए हैं। कुछ मरीजों की हालत बेहद गंभीर है। दुर्घटना में लगभग 170 लोग घायल हो गए हैं।

अस्पतालों में भटक रहे अभिभावक

अस्पतालों में निराशा और दर्द की चीखें गूंज रही हैं। स्कूल अधिकारियों और अस्पताल के कर्मचारियों ने बताया कि कई अभिभावक अभी भी अपने लापता बच्चों की तलाश में एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भाग रहे हैं। चिंतित माता–पिता और रिश्तेदार सदमे और दुख के साथ आपातकालीन वार्ड के बाहर अपनों का इंतजार कर रहे थे। एक स्कूल शिक्षक ने कहा कि हादसे के बाद दर्जनों एंबुलेंस घायलों को निकटवर्ती अस्पतालों में ले जा रही थीं, लेकिन संख्या इतनी अधिक थी कि घायलों के लिए कमरों की कमी के कारण उन्हें भर्ती करना और उनका उचित उपचार करना संभव नहीं था।

राजकीय शोक दिवस का एलान

सरकार ने दुर्घटना से प्रभावित लोगों की स्मृति में मंगलवार को राजकीय शोक दिवस घोषित किया है। मुख्य सलाहकार कार्यालय ने घोषणा की है कि देश भर के सभी सरकारी, अर्ध–सरकारी, स्वायत्त संस्थानों और शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। देश के सभी धार्मिक स्थलों पर घायलों और मृतकों के लिए विशेष प्रार्थना का आयोजन किया जाएगा।

जांच समिति गठित

दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए बांग्लादेश वायु सेना द्वारा एक उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की गई है। रक्षा मंत्रालय के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टोरेट (आईएसपीआर) ने कहा कि पायलट हुसैन ने किसी बड़ी दुर्घटना से बचने के लिए विमान को सुनसान स्थान पर ले जाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे। सभी घायलों को वायु सेना के हेलीकॉप्टर और एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए संयुक्त सैन्य अस्पताल (सीएमएच) और अन्य निकटवर्ती सुविधाओं में स्थानांतरित किया जा रहा है।

छात्रा बोली– मैंने 10–12 लोगों के शव देखे

बांग्लादेश वायुसेना के विमान हादसे पर माइलस्टोन स्कूल एंड कॉलेज की 11वीं कक्षा की छात्रा संजीदा अख्तर स्मृति ने कहा कि मैंने 10–12 लोगों के क्षत–विक्षत शव देखे। वे कैसे कह सकते हैं कि सिर्फ 21 लोग ही मरे? विमान इस इमारत से सिर्फ 5 फीट ऊपर था। अगर यह यहां गिरता, तो हजारों छात्र मारे जाते। इतनी घनी आबादी वाले इलाके में प्रशिक्षण विमान क्यों उड़ेगा? 1966 में चीन से खरीदे गए इतने पुराने विमान से प्रशिक्षण क्यों दिया जा रहा है?

गिलगित–बाल्टिस्तान में बादल फटने से मची तबाही, चार पर्यटकों की मौत; 15 लापता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित–बाल्टिस्तान क्षेत्र में कुदरत का कहर देखने को मिला। जहां सोमवार को बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में अब तक कम से कम चार पर्यटकों की मौत हो गई। दो घयल हो गए। वहीं 15 लोग लापता हो गए हैं। घटना दीमर जिले में हुई, जहां बाढ़ के तेज बहाव में आठ पर्यटक वाहन बह गए। मामले में गिलगित–बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फरक ने बताया कि मृतकों में एक महिला पंजाब प्रांत के लोधरन की रहने वाली थी।

राहत और बचाव कार्य में जुटा प्रशासन

घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इसका असर यातायात पर पड़ा। बाढ़ के कारण बाबूसर हाईवे बंद हो गया और इलाके में बिजली और संचार सेवाएं बाधित हो गई हैं। सैकड़ों फंसे पर्यटकों को स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित निकाला गया, और उन्हें अस्थायी ठिकानों पर शरण दी गई। बता दें कि अचानक से आई से इस बाढ़ के चलते खेत, बाग–बगीचे, घर और जरूरी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है, लेकिन हालात अब भी बेहद गंभीर बने हुए हैं।

सात किलोमीटर तक फैला बाढ़ का रास्ता

दीमर के पुलिस अधीक्षक अब्दुल हमीद ने बताया कि बाढ़ ने करीब सात किलोमीटर तक का इलाका तबाह कर दिया। कई वाहन बह गए और आशंका है कि 20 से 30 लोग लापता हो सकते हैं। राहत कार्य जारी है लेकिन लगातार मलबा गिरने से बचाव कार्य में मुश्किलें आ रही हैं। दीमर के अलावा घाइजर जिले में भी बाढ़ ने घरों, खेतों और सड़कों को नुकसान पहुंचाया। स्कार्दू में बाढ़ की आशंका के चलते गाम्बा रेस्क्यू स्टेशन को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बरगी और सादपारा नालों में पानी घरों में घुस गया है, जिससे कई संपत्तियां और सड़कें बर्बाद हो गईं।

कराकोरम हाईवे का हिस्सा क्षतिग्रस्त, हजारों लोग फंसे

वहीं गोजल के पास पासु क्षेत्र में कराकोरम हाईवे का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे हजारों लोग फंस गए हैं। यह मार्ग पाकिस्तान को चीन से जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है।

गिलगित–बाल्टिस्तान पर्यावरण संरक्षण एजेंसी के निदेशक खदीम हुसैन ने बताया कि क्षेत्र में पिछले छह हफ्तों से रिकॉर्ड गर्मी और उमस बनी हुई है, जिससे बादल फटने और बाढ़ की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पहाड़ी इलाका होने के कारण भूस्खलन और मलबे की वजह से तबाही और बढ़ जाती है।

लापता हजारों बलोच, इस्लामाबाद में सड़कों पर शुरू हुआ भीषण विरोध

राजधानी में ज़बरदस्त विरोध की लहर दौड़ गई है। लगातार छठे दिन बलूच महिलाएं इस्लामाबाद की सड़कों पर अपना धरना जारी रखे हुए हैं। प्रतिकूल मौसम, पुलिस उत्पीड़न और आवाजाही पर प्रतिबंध के बावजूद, इन महिलाओं ने अपनी माँगें पूरी होने तक हिलने से इनकार कर दिया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227